● वर्ष-4
● अंक-103
रायपुर, रविवार
08 दिसंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» डांस ऐसा करो कि दूसरे नाचने को...

किसानों का कल फिर दिल्ली कूच

केंद्र से नहीं मिला बातचीत का न्यौता, हरियाणा भी तैयार

पटियाला। फसलों पर एमएसपी की मांगों को लेकर 101 मरजीवड़े किसानों का जत्था रविवार दोपहर 12 बजे फिर से दिल्ली के लिए कूच करेगा। शंभू बॉर्डर पर शनिवार शाम को पत्रकार वार्ता में किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि शनिवार का दिन उन्होंने केंद्र से बातचीत के लिए रखा था, लेकिन उन्हें कोई न्योता नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री व नेता अलग-अलग मंचों पर किसानों से बातचीत की बात कह रहे हैं लेकिन किसी ने भी आगे आकर इसका प्रयास नहीं किया। इसी वजह से उन्होंने फिर से पैदल दिल्ली मार्च का फैसला किया है। पंधेर ने कहा कि उनका मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासन में ही रहेगा। किसानों के पास न पहले हथियार थे और न अब हैं।

केंद्र का किसान विरोधी चेहरा हो चुका बेनकाब- पंधेर ने कहा- भाजपा नेता कहते थे कि अगर किसानों ने मांगों को लेकर बात करनी है, तो पैदल क्यों नहीं आते हैं। अब किसान पैदल देश की राजधानी जाना चाहते हैं तो उन्हें क्यों नहीं जाने दिया जा रहा। इससे केंद्र का किसान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। इस मौके पर पंधेर ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान की ओर से एमएसपी को लेकर दिए जा रहे बयानों को गुमराहपूर्ण बताया। कहा कि किसान फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं। सरकार अगर देश को परंपरागत फसली चक्र से बाहर निकालना चाहती है, तो इस मांग को पूरा करना जरूरी है। इससे जमीनी पानी के स्तर में भी सुधार होगा।

जान हथेली पर रखकर आगे बढ़ेंगे- पंधेर ने कहा कि रविवार के दिल्ली कूच को लेकर किसान पूरी तरह से उत्साहित हैं। किसान अपनी जान हथेली पर रखकर आगे बढ़ेंगे। हरियाणा पुलिस के जबर का जवाब सब्र के साथ दिया जाएगा। पंधेर ने बताया कि उधर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का भी आमरण अनशन खनौरी बॉर्डर पर जारी है। सेहत में कुछ गिरावट जरूर आई है, लेकिन उनके हौंसले बुलंद हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा है कि वे डरने वाले नहीं हैं। जीवन की आखिरी सांस तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

विपक्षी गठबंधन इंडिया में दरार

सपा ने छोड़ा एनडीए का साथ, ममता भी नाराज

नई दिल्ली। भाजपा का मुकाबला करने के लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में दरार पड़ने लगी है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी से सपा के अलग होने और पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी के गठबंधन के कामकाज से असंतुष्ट होने से साफ है कि गठबंधन का भविष्य सवालों में है। विपक्षी गठबंधन में सबसे ज्यादा मतभेद कांग्रेस की स्थिति को लेकर है।

गठबंधन अब भाजपा को छोड़कर आपस में ही उलझता नजर आ रहा है। विपक्षी गठबंधन का गठन जून 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा हटाओ, देश बचाओ के नारे के साथ किया गया था। तब इसके अगुआ जनता दल यूनाइडेट के नेता नीतीश कुमार थे, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पाला बदला और भाजपा के एनडीए से हाथ मिला लिया। इसके बाद गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों ने नीतीश पर खूब हमला बोला था। मगर नीतीश वापस नहीं लौटे। इसके बाद कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन ने भाजपा के खिलाफ आवाज बुलंद करनी शुरू की। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन बेहतर रहा था। भाजपा की सीटें कम हुईं तो विपक्षी गठबंधन में जोश दिखा।

मगर जैसे-जैसे राज्यों के चुनाव हुए तो विपक्षी गठबंधन इंडिया में मतभेद शुरू होने लगे।

मौजूदा मामला महाराष्ट्र से आया है। यहां समाजवादी पार्टी ने शिवसेना (उद्धव) नेता द्वारा बाबरी मस्जिद के विध्वंस की प्रशंसा करने के बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) छोड़ने की घोषणा की है। इससे पहले अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान सपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी इंडिया गठबंधन के साथ नहीं दिखीं।

विपक्षी गठबंधन में सबसे ज्यादा मतभेद कांग्रेस की स्थिति को लेकर है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद अब कई पार्टियां गठबंधन में अपनी ताकत दिखाने लगी हैं। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों का मानना है कि उसे आत्मचिंतन करना चाहिए और दूसरों के प्रति उदार होना चाहिए। इसी का नतीजा है कि सहयोगी दल कांग्रेस के दबदबे के खिलाफ भी बोल रहे हैं।

शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व के साथ दोहरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम होंगी। अब सभी की निगाहें कांग्रेस के अगले कदम पर टिकी हैं। सपा नेता अबू आसिम आजमी ने कहा कि महाविकास अघाड़ी ने कभी हमारा सम्मान नहीं किया। उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी ने कहा था कि वे सांप्रदायिकता छोड़ देंगे और धर्म निरपेक्ष ताकतों से हाथ मिलाएंगे। उन्होंने और उनकी पार्टी ने एक बार फिर बाबरी मस्जिद को ध्वस्त करने वालों का सम्मान किया है। समाजवादी पार्टी उनके साथ कभी नहीं रह सकती जो लोगों को धर्म के आधार पर बांटना चाहते हैं।

जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। आदिवासी समाज को आगे बढ़ने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शपथ ले रहे सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज एक समृद्ध संगठन है। इस संगठन के सभी सदस्यों का लंबा अनुभव रहा है। मुझे विश्वास है कि आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के रूप में वे अपनी जिम्मेदारी को बहुत कुशलता से निभाएंगे । मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज जनजातीय समाज के विकास के लिए बहुत अच्छा वातावरण है। छत्तीसगढ़ सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

दोनों सरकारें जनजातीय समाज की चिंता करती हैं। आज हम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी को याद करते हैं जिन्होंने आदिवासियों के उत्थान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। जब मैं सांसद था तब उन्होंने आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया था। आज भारत के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज की महिला सुशोभित हैं और छत्तीसगढ़ में भी आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री है। यह बहुत गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए लगातार काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत विगत 2 अक्टूबर को की है। इस अभियान का लाभ 5 करोड़ जनजातीय लोगों को मिलेगा। इसमें छत्तीसगढ़ के कई गांव शामिल हैं। इन गांवों में सड़क, बिजली और पानी सहित सभी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातियां हैं जिनके विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना की शुरुआत की गई है।

एनडीटीवी इंडियन ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2024 से सम्मानित हुए पीठासीन अधिकारी टिकेश कुमार

कांकेर के अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथ के पीठासीन अधिकारी टिकेश कुमार साहू को एनडीटीवी के एडिटर- इन-चीफ ने एनडीटीवी इंडियन ऑफ द ईयर 2024 पोलिंग बूथ ऑफिसर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार भी उपस्थित थे।

प्रमुख समाचार

परजीवी पार्टी बनी है कांग्रेस, किसानों को दिया धोखा

नई दिल्ली। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के एक साल के शासन की विफलताओं पर प्रकाश डालते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने जनजागरण के अपने प्रयासों से कांग्रेस के विश्वासघात को उजागर किया है। उन्होंने एक सफल अभियान चलाया है। इसके लिए मैं तेलंगाना इकाई को धन्यवाद और बधाई देता हूं। उन्होंने दावा किया कि एकमात्र राजनीतिक दल जो तेलंगाना के लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा, जो देश के लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा, जिस पर लोगों को विश्वास होना चाहिए, वह भारतीय जनता पार्टी है। नड्डा ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर यह है कि कांग्रेस सट्टा यूपीभोग में लिप्त रहती है, जबकि भाजपा सट्टा यूपीयोग के माध्यम से लोगों का कल्याण सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि हम यहां आपके विकास के लिए हैं, और वे यहां अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए हैं। मोदी जी को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाना यह बताता है कि भाजपा ने देश भर में अपने प्रति किस विश्वास को विकसित किया है।

ईवीएम पर आरोप लगाने का मतलब नहीं, कोर्ट जाए-अजित

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की वैधता पर सवाल उठाने वाले शिवसेना यूबीटी आदित्य ठाकरे के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर विपक्ष को कोई चिंता है तो उन्हें चुनाव आयोग या अदालतों से संपर्क करना चाहिए। नवनियुक्त विधायक अजित पवार ने कहा कि यहां इस तरह के आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। उन्हें (विपक्ष को) चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और अगर उन्हें वहां न्याय नहीं मिलता है, तो उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। यह तब आया है जब शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने घोषणा की कि पार्टी के विजेता विधायक महाराष्ट्र विधानसभा के चल रहे विशेष सत्र के दौरान शनिवार को पद की शपथ नहीं लेंगे। ठाकरे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की वैधता पर संदेह जताया। आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने फैसला किया है कि हमारे (शिवसेना यूबीटी) जीते हुए विधायक शपथ नहीं लेंगे. यदि यह जनता का जनादेश होता तो लोग खुश होते और इसका जश्न मनाते। हालाँकि, जनता की ओर से ऐसा कोई जश्न या उत्साह नहीं था।

दारुल उलूम की कराई जाए खोदाई, निकलेगा मंदिर- प्राची

देवबंद। हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची का बयान एक बार फिर सुर्खियो में है। उन्होंने कहा कि दारुल उलूम और बड़ी मस्जिद का भी सर्वे होना चाहिए। अगर इनकी खोदाई कराई जाए तो यहां पर भी मंदिर निकलेगा। शनिवार को देवबंद में आबकारी रोड स्थित निजी कार्यक्रम में पहुंचीं साध्वी प्राची ने मीडिया से बातचीत करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के अंदर मंदिरों को तोड़कर जो मस्जिदें बनाई गई हैं अब वापस लेने का समय आ गया है। अयोध्या अब हमारी है काशी और मथुरा की बारी है। देवबंद में भी पता चला है कि यहां पर जो बड़ी मस्जिद (रशीदिया) है उसका सर्वे होना चाहिए और खोदाई होनी चाहिए। दारुल उलूम को लेकर कहा कि यहां पर क्या समस्या है। दारुल उलूम का भी सर्वे होकर खोदाई होनी चाहिए। दारुल उलूम की खोदाई कराई जाए तो यहां पर भी मंदिर निकलेगा। सर्वे चल ही रहे हैं एक साथ ही सर्वे हो जाए। साध्वी प्राची का यह बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि दारुल उलूम प्रबंधन की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की गई.

गब्बर सिंह टैक्स से ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की टैक्स नीति को लेकर एक बार फिर से निशाना साधा है। इसको लेकर उन्होंने एक्स पर बड़ा पोस्ट लिखा है। राहुल ने दावा किया कि सरकार अब एक और नया टैक्स स्लैब लाने जा रही है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ़ कॉरपोरेट टैक्स के मुक़ाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि सुनने में आ रहा है कि त्नस्ञ्ज से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है - आपकी ज़रूरत की चीज़ों पर त्नस्ञ्ज बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि ज़रा सोचिए - अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच ?1500 से ऊपर के कपड़ों पर त्नस्ञ्ज 12त्न से बढ़ाकर 18त्न करने जा रही है। कांग्रेस नेता वे कहा कि यह घोर अन्याय है - अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज़ माफ़ करने के लिए ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है।

भारत को अस्थिर करने की कोई साजिश नहीं - अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन आरोपों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी सरकारी संस्थाएं और उसके डीप स्टेट तत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी को निशाना बनाकर भारत को अस्थिर करने के प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने इन आरोपों को निराशाजनक बताते हुए कहा कि उनके देश की सरकार हमेशा से ही दुनियाभर में स्वतंत्र मीडिया की वकालत करती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार स्वतंत्र संस्थाओं के साथ मिलकर पत्रकारों के पेशेवर विकास और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर काम करती है, लेकिन इन योजनाओं का मकसद इन संस्थाओं के संपादकीय फैसलों को प्रभावित करना नहीं है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि अमेरिकी डीप स्टेट ने मीडिया पोर्टल ओसीसीआरपी (ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश की।

जॉर्ज सोरोस पर भारत सरकार को अस्थिर करने की साजिश रचने के लगे आरोप

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि अमेरिका के डीप स्टेट ने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए मीडिया पोर्टल ओसीसीआरपी (संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मिलीभगत की। हालांकि, अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने इन आरोपों का खंडन किया गया है, लेकिन यह मामला सुर्खियों में हैं। साथ ही जॉर्ज सोरोस का नाम भी फिर चर्चा में है। सोरोस भारत में पहली बार विवादों में नहीं हैं। इससे पहले अदाणी के मुद्दे पर मोदी सरकार पर टिप्पणी कर वह विवादों में आए थे। आखिर जॉर्ज सोरोस कौन हैं? उनका विवादों से क्या नाता रहा है? उन्होंने अपनी संपत्ति कैसे अर्जित की और उनकी आलोचना क्यों होती है?

जॉर्ज सोरोस कौन हैं?

विश्वकोश ब्रिटानिका के अनुसार, सोरोस का जन्म हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में हुआ था। उनका जन्म एक समृद्ध यहूदी परिवार में हुआ था, लेकिन 1944 में हंगरी में नाजियों के आगमन के कारण उनके शुरुआती दिन संघर्ष भरे रहे। कहा जाता है कि सोरोस ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपनी पढ़ाई के लिए रेलवे पोर्टर और वेटर के रूप में काम किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिटलर की ओर से बनाए गए यातना शिविरों में भेजे जाने से बचाने के लिए सोरोस को परिवार से अलग रहना पड़ा। सोरोस 1947 में अपने परिवार के साथ लंदन चले गए। सोरोस ने दर्शनशास्त्र का अध्ययन किया और दार्शनिक बनने की योजना बनाई।

सोरोस ने अपना फंड बनाने से पहले लंदन मर्चेंट बैंक में काम किया। सोरोस 1956 में न्यूयॉर्क शहर चले गए जहां उन्होंने यूरोपीय प्रतिभूतियों के विश्लेषक (एनालिस्ट) के रूप में काम करना शुरू किया। जॉर्ज सोरोस पर 1997 में थाईलैंड की मुद्रा (बाहट) पर सट्टा लगाकर उसे कमजोर करने के भी आरोप लगे। हालांकि खुद सोरोस इस आरोप से इंकार करते हैं। उनका नाम उस वित्तीय संकट से जोड़ा गया था जो उस वर्ष एशिया के अधिकांश हिस्सों में फैल गया था। मलेशिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री महातिर बिन मोहम्मद ने रिंगिट के पतन के लिए भी सोरोस को जिम्मेदार ठहराया था।

सोरोस ने 1984 में अपनी संपत्ति के कुछ हिस्सों का उपयोग करके ओपन सोसाइटी फाउंडेशन नामक एक परोपकारी संगठन की स्थापना की। ओपन सोसाइटी कई परोपकारी संगठनों का नेटवर्क था। 1969 से 2001 तक जॉर्ज सोरोस ने एक प्रसिद्ध हेज फंड टाइकून के रूप में न्यूयॉर्क में ग्राहकों के धन का प्रबंधन किया। सोरोस ने 2010 में ह्यूमन राइट्स वॉच को 100 मिलियन डॉलर का दान दिया था। उदारवादी रुख और डेमोक्रेटिक पार्टी से नजदीकी के कारण सोरोस को अक्सर कंजरवेटिव और रिपब्लिकन पार्टी की आलोचना का शिकार होना पड़ता है।

ब्रिटानिका के अनुसार, ओपन सोसाइटी फाउंडेशन 21वीं सदी की शुरुआत से 70 से अधिक देशों में काम कर रहा है। 2017 में ऐसी खबरें आई थीं कि सोरोस ने हाल के वर्षों में ओपन सोसाइटी फाउंडेशन को करीब 18 अरब डॉलर दिए हैं। सोरोस ने वर्ष 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी को 128.5 मिलियन डॉलर का दान दिया और और वे सबसे बड़े दानदाता रहे। सोरोस अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के राष्ट्रपति अभियान के पीछे भी एक प्रमुख चेहरा थे।

सोरोस पर क्या आरोप लगते हैं?

अमेरिकी अरबपति-परोपकारी जॉर्ज सोरोस पर आरोप लगाया जाता है कि वे राजनीति को आकार देने और सत्ता परिवर्तन के लिए अपने धन और प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने 2020 में राष्ट्रवाद के प्रसार से निपटने के लिए एक नए विश्वविद्यालय नेटवर्क को एक बिलियन डॉलर की आर्थिक मदद देने का एलान किया था। जॉर्ज सोरोस को बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। जिस तरह से भारत में रिजर्व बैंक (आरबीआई) काम करता है उसी तरह ब्रिटेन में बैंक ऑफ इंग्लैंड काम करता है। सोरोस पर आरोप लगते हैं कि हेज फंड मैनेजर ने एक समय पर ब्रिटिश मुद्रा (पाउंड) को शॉर्ट कर एक बिलियन डॉलर का मुनाफा कमाया था। फोर्ब्स के अनुसार, 29 जून, 2023 तक जॉर्ज सोरोस की कुल संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर है। वह दुनिया के सबसे धनाढ्य लोगों में से एक हैं।

भारत में उनसे जुड़े विवाद क्या रहे?

वह भारत के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भी आलोचक रहे हैं। 2020 में सोरोस ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि राष्ट्रवाद आगे बढ़ रहा है और उन्होंने कहा था कि यह भारत में %सबसे बड़े झटके की तरह है। इसके बाद इसी साल फरवरी में अरबपति जॉर्ज सोरोस अदाणी-हिंडनबर्ग मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी टिप्पणी के बाद भारत में विवादों में आ गए। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तब सोरोस पर पलटवार करते हुए कहा था कि अरबपति सोरोस भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। गुरुवार को झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी के सोरोस से संबंध हैं, जो भाजपा नेता के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।

11 लाख के ईनामी 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते दबाव के फलस्वरूप नक्सली संगठन में सक्रिय 11 लाख के ईनामी 5 नक्सलियों 1. संतू कोड़मे, 2. पायकू पूनेम, 3. गुडडू हपका , 4. सोमारू माड़वी एवं 5. भीमा कश्यप ने बीजापुर एसपी डॉ.जितेन्द्र यादव, सीआरपीएफ 202 कमांडेंट अमित कुमार, उप पुलिस अधीक्षक सुदीप सरकार व अन्य सीआरपीएफ व पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 8 लाख रूपये के ईनामी (पीएलजीए) कंपनी नम्बर के 2 सदस्य, 2 लाख रुपए के ईनामी गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य। साथ ही 1 लाख का ईनामी जनताना सरकार अध्यक्ष शामिल है।

आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन हेतु शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत पच्चीस-पच्चीस हजार रूपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया है। विदित हो कि वर्ष 2024 में अबतक कुल 189 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। वहीं विभिन्न नक्सली वारदातों में

शामिल 473 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गयाद्य है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सली 1. संतू कोड़मे के संगठन में वर्ष 2013 में जीआरडी सदस्य. के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2015 में गंगालूर एरिया कमेटी अंतर्गत पीएलजीए सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2018 से अब तक पश्चिम बस्तर डिवीजन में कंपनी नम्बर 02 के सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2018 में ग्राम केशकुतूल से भैरमगढ़ जाने वाले मार्ग पर पुलिस पार्टी पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने की घटना में शामिल। वर्ष 2020 में ग्राम मिनपा में पुलिस पार्टी पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने की घटना में शामिल जिसमें 17 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। वर्ष 2020 में ग्राम मनकेली व पेददाकोरमा के बीच जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने की घटना में शामिल था।

आत्मसमर्पित नक्सली 2. पायकू पूनेम , माओवादी संगठन में वर्ष 2017 में ग्राम पुसनार के बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2019 में पीएलजीए सदस्य के पद पर संगठन में कार्य किया। वर्ष 2023 में गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2020 में ग्राम पीडिया के लेकामपारा में जनअदालत लगाकर 04 ग्रामीणों को पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या करने की घटना में शामिल।

आत्मसमर्पित नक्सली 3. गुडडू हपका , माओवादी संगठन में वर्ष 2007 में ग्राम पदेड़ा के बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2015 में सीएनएम सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2018 में सीएनएम अध्यक्ष के पद पर कार्य किया। वर्ष 2024 से अब तक पदेड़ा आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष के पद पर कार्यरत था। वर्ष 2010 में बीजापुर से गंगालूर जाने वाली मार्ग में जगह जगह गड्ढ़ा खोदकर मार्ग अवरूद्ध करने की घटना में शामिल। वर्ष 2011 में पोंजेर व पदेड़ा के बीच जंगल में फायरिंग करने की घटना में शामिल। वर्ष 2020 में पदेड़ से पेददाकोरमा जाने वाली मार्ग में जगह जगह गड्ढ़ा खोदकर मार्ग अवरूद्ध करने की घटना में शामिल। वर्ष 2020 में पदेड़ा जंगल में पुलिस को नुकसान पहुँचाने हेतु आईईडी लगाकर विस्फोट करने की घटना में शामिल।

आत्मसमर्पित नक्सली 4. सोमारू माड़वी पिता गडडा निवासी पोनड़वाया, थाना कुटरू जिला बीजापुर , माओवादी संगठन में वर्ष 2023 दिसम्बर में नेशलन पार्क एरिया कमेटी अन्तर्गत पीएलजीए सदस्य के रूप में संगठन में शामिल हुआ।

आत्मसमर्पित नक्सली 5. भीमा कश्यप पिता आयतु कश्यप उम्र 32 वर्ष जाति मुरिया निवासी बरसेपाल थाना कोड़ेनार जिला बस्तर , माओवादी संगठन में वर्ष 2021 फरवरी में कुतुल आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य के रूप में संगठन में शामिल हुआ ।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी, सर्चिंग के दौरान भारी मात्रा में नक्सलियों की सामाग्री बरामद

नारायणपुर। नारायणपुर के थाना सोनपुर- कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम वाला, कोंगे, कान्दुलपाड़, पांगुड़ व आसपास के क्षेत्रों में माआवोदियों के उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त पार्टी रवाना हुई थीं। सर्चिंग गश्त के दौरान ग्राम वाला-पांगुड़ के जंगल में सुरक्षा बलों को रसोई गैस सिलेण्डर, वेल्डिंग गैस सिलेण्डर, फोल्डेबल चेयर, डेटोनेटर, नक्सली वर्दी, पिट्ठू बैंग, सोलर प्लेट, हथियार बनाने की मशीन, बड़ी संदुके, तेल टिन, साबून एवं भारी मात्रा में नक्सल साहित्य सहित अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई थी। बरामद नक्सली सामग्रियों रसोई गैस सिलेण्डर, वेल्डिंग गैस सिलेण्डर, फोल्डेबल चेयर, डेटोनेटर, नक्सली वर्दी, पिट्ठू बैंग, सोलर प्लेट, हथियार बनाने की मशीन, बड़ी संदुके, तेल टिन, साबुन एवं अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी सामग्री को सुरक्षा बलों द्वारा मौके पर नष्टीकरण की कार्यवाही किया गया। उक्त नक्सल विरोधी अभियान में नारायणपुर डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त कार्यवाही रही।

नक्सलियों ने की आंगनबाड़ी सहायिका की हत्या

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने आंगनबाड़ी सहायिका की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना शुक्रवार रात बासागुड़ा थाना क्षेत्र के तिमापुर गांव की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुछ अज्ञात नक्सलियों ने गांव में लक्ष्मी पदम (45) के घर में घुसकर उसके परिवार के सामने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि हत्या के बाद नक्सली उसका शव आंगन में छोड़कर फरार हो गए। लक्ष्मी के पति जगदीश पदम की पहले ही मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके पर नक्सलियों के मद्देड़ एरिया कमेटी द्वारा जारी पर्चा मिला जिसमें उसने लक्ष्मी पर मुखबिरी करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मांझी जिसकी सेना है आज भी एक्टिव, इन्हें शासकीय तंत्र की जरूरत नहीं, इनका अपना है शासन

बालोद। जब भी भारतवर्ष में मांझी उपनाम का जिक्र होता है तो उनकी यादें ज़हन में उतरती है जिन्होंने दूसरों के लिए सर्वस्व न्यौछावन किया। दशरथ राम मांझी जिसने अपनी पत्नी के प्रेम में पहाड़ काटकर रास्ता बना दिया। जिसने आदिवासी समाज के लिए शिक्षा का मार्ग चुना अंग्रेजों के शासन काल में आजादी का प्रस्ताव रखा और बनाई अपनी विशाल सेना।

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में घने जंगलों के बीच बसा एक अनजाना-सा गांव हर साल तीन दिनों के लिए किसी गहमागहमी भरे सैन्य शिविर में तब्दील हो जाता है। खाकी वर्दीधारी सैकड़ों आदिवासी पुरुष-महिलाएं पहरा देने के अंदाज में गांव के चारों तरफ घूमते नजर आते हैं। कुछ अस्थायी दुकानें भी सज जाती हैं जहां सस्ते दामों पर सैन्य सामग्री—बैग, वर्दी, जूते, बेल्ट, रैंक और प्रतीक चिन्ह आदि—मिलते हैं। हां, हथियारों के नाम पर सैनिकों के पास कुछ खास नहीं होता उनके पास सबसे बड़ा हथियार डंडा ही होता है। इस गांव का नाम बाघमार और यहां लगता है मेला कंगला मांझी की स्मृति में वो मांझी जिसने रांची के अधिवेशन में भारत गोंडवाना नामक देश का

प्रस्ताव अंग्रेजों के पास रखा और संविधान बनाने में भी मदद की।

आदिवासियों के लिए जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस और भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में गठित मांझी सरकार आज भी आदिवासी परंपरा और समाज के उत्थान के लिए काम कर रही है। 1896 में कांकेर (बस्तर) के तेलावट में जन्मे हीरा सिंह देव मांझी ने 1905 में 9 साल की उम्र से ही अंग्रेजी हुकूमत से लड़ना शुरू कर दिया था। मांझी ने 1910 में आदिवासी समुदाय के साथ अखिल भारतीय मददगार आदिमुलवासीजन संगठन बनाकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया आज भी वहीं जज्बा उनके अंदर कायम है इस सरकार के सिपाही बालोद में दिसंबर में 5, 6 और 7 तारीख को श्रद्धांजलि देने देश के कोने कोने से पहुंचते हैं। लोग दिसंबर की सर्द रातों को पेड़ के नीचे काटतें हैं और 3 दिन के इस स्मृति दिवस समारोह में चिंतन होता है हर एक विषयों पर जो जल जंगल जमीन और शिक्षा समाज से जुड़ी हुई हो।

जिस मांझी सरकार की सेना पूरे देश भर में फैली हुई है उसकी नींव 1910 में उसकी नींव रखी गई और 1951 से बैच बिल्ला बनना शुरू हुआ था जिसके बाद 1956 में राष्टीय ध्वज से सम्मानित किया गया संस्था और कांगला राम मांझी जी को तब से यह संस्था काम कर रही है आजादी की लड़ाई लड़ी, संविधान निर्माण में भी योगदान रहा है भूमकाल आंदोलन से शुरुआत ही मूल रूप से इसकी शुरुआत हुई4 इस संस्था ने रांची 1915 अधिवेशन से अंग्रेजों से आजाद करने की मांग और भारत गोंडवाना राष्ट्र बनाने की मांग रखी आजादी के इतने वर्षों के बाद भी देश में आदिवासियों के समक्ष पेश आने वाली चुनौतियां बदस्तूर बरकरार हैं, और शायद यही वजह है कि आज दशकों बाद भी इस सेना की प्रासंगिकता बनी हुई है

जानिए क्या कहती है राजमाता

कंगला मांझी की पत्नी और सरकार की अध्यक्ष %राजमाता% फुलवा देवी कांगे कहती हैं, आदिवासी शिक्षा क्षेत्र में पिछड़े हैं और शोषण के शिकार होते रहे हैं यह संगठन उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के अलावा सशक्तिकरण में शिक्षा की अहमियत को समझाकर स्कूल जाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में काम करता है। उनके बेटे कुंभ देव कांगे सरकार के उपाध्यक्ष हैं आज भी हमारी सेना इसी ओर काम कर रही है और जहां कहीं भी हो ये हमेशा हितों की रक्षा के लिए काम करते हैं और इनकी बातों की हम सरकार तक भी पहुंचाते हैं।

सहकारी समिति में बड़ा घोटाला : पीड़ित किसानों ने कहा-

कोई कर्ज नहीं लिया फिर भी बना दिया कर्जदार

डोंगरगढ़। भोले-भाले किसानों के नाम पर फर्जी लोन लेकर लाखों की हेराफेरी का पर्दाफाश हुआ है। सोसायटी प्रबंधक और बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत ने किसानों को ऐसा फंसाया कि अब वे न खेती के लिए जरूरी साधन जुटा पा रहे हैं और न ही अपनी उपज बेचने में सक्षम हैं। यह मामला डोंगरगढ़ विकासखंड के छिपा सहकारी समिति का है। पीड़ित किसानों का कहना है कि हमने कभी कोई लोन नहीं लिया, फिर भी हमें कर्जदार बना दिया गया। हमने सांसद, कलेक्टर, एसडीएम, सबसे शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब तो ऐसा लग रहा है कि हमें आत्महत्या ही करनी पड़ेगी।

पलांदूर गांव के जितेंद्र यादव की कहानी चौंकाने वाली है। महज दो एकड़ जमीन के मालिक जितेंद्र के नाम पर 2,65,000 रुपए का कर्ज़ दिखा दिया गया, जबकि प्रावधान के अनुसार इतनी जमीन पर केवल 60,000 रुपए का लोन दिया जा सकता है, लेकिन यही कहानी अकेले जितेंद्र की नहीं है। यादव राम वर्मा, राजकुमार वर्मा, शेखर वर्मा और प्रदीप वर्मा सहित कई किसानों को इसी तरह ठगा गया। इन किसानों ने न कभी लोन के लिए

आवेदन किया, न ही उन्हें इसकी जानकारी थी।

इस फर्जीवाड़े की शुरुआत तब हुई, जब सोसायटी प्रबंधक ने नवीनीकरण के नाम पर किसानों से ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद बैंक कर्मचारियों के साथ मिलकर उनके नाम पर लोन स्वीकृत कराया और रकम हड़प ली। जब किसानों को इस धोखाधड़ी का पता चला, तब तक उनकी धान बेचने की व्यवस्था भी बाधित हो चुकी थी। किसानों का आरोप है कि बैंक और सोसायटी ने उनकी मेहनत की कमाई को तो लूटा ही, अब उन्हें मंडी में अपनी उपज बेचने तक की अनुमति नहीं मिल रही। उनकी चिंता यह है कि अगर धान बेचते हैं तो उससे मिली रकम सीधे बैंक कर्ज में काट ली जाएगी।

डोंगरगढ़ एसडीएम मनोज मरकाम के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंचे किसानों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फर्जी लोन माफ करने की मांग की है। एसडीएम का कहना है कि शिकायत की जांच की जा रही है। जल्द ही इस पर कार्रवाई होगी।

किसान यादवराम वर्मा ने बताया, हमने कभी कोई लोन नहीं लिया, फिर भी हमें कर्जदार बना दिया गया। हमने सांसद, कलेक्टर, एसडीएम, सबसे शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब तो ऐसा लग रहा है कि हमें आत्महत्या ही करनी पड़ेगी। किसान संतोष वर्मा ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा, हम नौ किसान इस घोटाले के शिकार हुए हैं। जब खाद लेने गए, तब पता चला कि हमारे नाम पर लाखों का कर्ज है। हमारी मांग है कि भुगतान में बिना कोई कटौती किए हमें धान बेचने दिया जा। इस घोटाले ने किसानों की जिंदगी पर बड़ा असर डाला है। अब वे न केवल अपनी आजीविका के लिए जूझ रहे हैं, बल्कि मानसिक तनाव भी झेल रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आड़ावाल में 9 दिसम्बर को होगा प्लेसमेंट कैम्प

जगदलपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र आड़ावाल जगदलपुर में 9 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे से सायंकाल 4 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। इस प्लेसमेंट कैम्प में भारतीय जीवन बीमा निगम जगदलपुर द्वारा कुल 70 पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। जिसके तहत बीमा सखी केवल महिलाओं के लिए 50 पदों हेतु 10 वीं उत्तीर्ण सहित आयु न्यूनतम 18 वर्ष तथा बीमा सलाहकार 20 पदों के लिए 10 वीं,12 वीं या स्नात्तक सहित आयु न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। दोनों के लिए कार्य स्थल जगदलपुर निर्धारित है। इन पदों पर सेवा करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त दस्तावेजों यथा अंकसूची, आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो एवं फोटोयुक्त पासबुक के साथ 09 दिसम्बर को उक्त प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते हैं।

बस्तर जिले के तीन थाना क्षेत्र से 203 गुमशुदा बरामद

जगदलपुर। बस्तर जिले के तीन थाना क्षेत्र कोतवाली, बोधघाट एवं नगरनार से पुलिस ने 11 माह के अंतराल में 244 गुमशुदाओं में से 203 गुमशुदा लोगों को खोज निकाला है। घर में होने वाले छोटे-छोटे विवाद के साथ ही प्रेम प्रसंग में फंस कर कई युवा या फिर बच्चे अपने घर को छोड़कर चले जाते हैं। इसके बाद परिजनों के द्वारा गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया जाता है, ऐसे गुमशुदा लोगों को खोजने में पुलिस लगातार काम कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक जनवरी 2024 से लेकर नवंबर 2024 तक करीब तीन थाने जिसमें कोतवाली थाना क्षेत्र से गुम हुए 13 बच्चों में से 11 को खोज निकाला गया, जबकि बड़े लोगों में महिला-पुरूष मिलाकर 72 लोग गुम हो गए थे, जिसमें 57 लोग बरामद हुए हैं। वहीं नगरनार थाना क्षेत्र से गुम हुए छह बच्चों में सभी सकुशल बरामद हो चुके हैं, जबकि बड़े लोगों में 34 लोग गुम हुए थे, जिसमें अभी 26 लोगों को बरामद किया गया है, आठ की तलाश की जा रही है। इसके अलावा बोधघाट क्षेत्र से गुम हुए 25 बच्चों को खोज निकाला गया है।

शिक्षकों पर हमला करने वाला छात्र गिरफ्तार

धमतरी। सर्वोदय स्कूल के दो शिक्षकों पर हमला करने वाले कक्षा 11वीं के आरोपी नाबालिग छात्र एक टॉकीज में बैठकर फिल्म पुष्पा-2 देख रहा था कि पुलिस वहां पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर थाने ले आया। घायल शिक्षकों में एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बताया जाता है कि आरोपी हमला करने के बाद अपने मोहल्ले में भी गया था और हमले में रक्तरंजित स्कूल यूनिफार्म को लपेटकर एक परिचित की दुकान में रखवा दिया था। दिनभर में वह कई लोगों से मिला, लेकिन कहीं रुका नहीं। इस बीच शहर में इस हमले की सूचना फैल गई। आरोपी को पुलिस लगातार ढूंढ रही थी, लेकिन यह अपना लोकेशन लगातार बदल रहा था। शाम को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे टाकीज से दबोच लिया। इस घटना के बाद एएसपी नेहा पवार ने शुक्रवार को शहर के स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक लेकर छात्रों के असामान्य व्यवहार की अनदेखी न करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिकायत पेटी रखी जानी चाहिए।

चाकू और पत्थर से पत्नी और दो बच्चों पर किया हमला

कोरबा। कोरबा में दिल दहला देनी वाली आई घटना सामने आई है। जहां पति ने पत्नी और दो बच्चों पर चाकू और पत्थर से हमला कर हत्या का प्रयास किया। इस घटना में पत्नी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पति ने घटना को अंजाम देने के बाद खुद जहर का सेवन कर जान देने की कोशिश की। जहां घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते बस्तियों के भीड़ एकत्रित हो गई। जहां आसपास लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल के लिए रवाना किया गया। दर्री थाना अंतर्गत मोहन टाकीज के पास मनोज साहू का परिवार निवास करता है। शनिवार की रात मनोज साहू उसकी पत्नी सतरूपा, 7 साल की परिधि और 12 साल की काव्या साहू शुक्रवार की रात एक साथ खाना खाने के बाद कमरे में सोने चले गए। शनिवार की तड़के सुबह लगभग चार बजे मनोज साहू सो रहे पत्नी और बच्चों पर चाकू और पत्थर से हमला कर हत्या करने का प्रयास किया। इस दौरान कमरे के अंदर चिख पुकार मच गई।

नहर किनारे शराब पार्टी और दोस्तों के बीच विवाद

दुर्ग। दुर्ग में चाकूबाजी और हत्या के मामले थमाने का नाम नहीं ले रहे हैं। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में एक बार फिर एक युवक के सिर पर पत्थर से वार कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है पुलिस कुछ संदेहियो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, खुर्सीपार के ट्रांसपोर्ट नगर में देर रात नहर के किनारे शराब पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान मृतक लोकेश्वर बंजारे के साथ उनके दोस्तों का किसी बात को लेकर वाद विवाद हो गया। जिसके बाद आरोपियों ने मृतक के साथ मारपीट करते हुए पत्थर से उसके सिर पर वार कर दिए। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर भिलाई एएसपी सुखनंदन राठौर,सीएसपी हरीश पाटिल समेत खुर्सीपार थाने की टीम मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटना में शामिल मृतक के कुछ दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मछली व मोती पालन के नाम पर किसानों से 3 लाख 28 हजार की ठगी, रायपुर से तीन गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर में स्थित नमो एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने मछली और मोती पालन के नाम पर ग्राम तिलाई के किसानों को अपने झांसे में लेकर 3 लाख 28 हजार रुपये की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को दिनेश सरकार, प्रमोद अग्रवाल और अभिजीत बंछोर को रायपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तिलाई के रहने वाले देव प्रसाद सहित छह किसानों ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराया कि वर्ष 2023 में दिनेश सरकार, प्रमोद अग्रवाल और अभिजीत बंछोर ने मछली और मोती पालन के जरिए अच्छी आमदनी और लोन में 60

प्रतिशत सब्सिडी दिलाने का लालच देकर 3 लाख 28 हजार रुपये लेकर चले गए। महीनों बीतने के बाद न तो उन्हें वादा किया गया लोन मिला और न ही उनकी राशि वापस की गई। जब किसान रायपुर जाकर अपने पैसे वापस मांगने गए, तो आरोपी उन्हें गोलमोल जवाब देकर टालते रहे। इसके बाद वे सिटी कोतवाली पुलिस थाने पहुंचकर इनकी शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरु की और रायपुर राजधानी से दिनेश सरकार, प्रमोद अग्रवाल और अभिजीत बंछोर को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने मछली और मोती पालन के नाम पर ठगी करने का अपराध स्वीकार कर लिया, इसके बाद पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक कम्प्यूटर, पीसी और की-बोर्ड के साथ तीनों के मोबाइल फोन को भी जप्त किया है।

कृषक उन्नति योजना किसानों के समृद्धि की बनी नई राह

विष्णुदेव साय सरकार का समर्थन बना संबल

कवर्धा। विष्णुदेव साय सरकार का समर्थन बना संबलकिसानों को भारत की आत्मा और अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। जब उनके खेत लहलहाते हैं, तो देश की समृद्धि अपने चरम पर होती है। छत्तीसगढ़ की सरकार किसानों की इस ताकत को पहचानते हुए उनकी उन्नति और सशक्तिकरण के लिए सतत कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू कृषक उन्नति योजना न केवल किसानों के जीवन को बदल रही है, बल्कि उनकी मेहनत को सम्मान और सही मूल्य भी दे रही है। कवर्धा जिले के मोटियारी गांव के किसान श्री गंगाराम पटेल इस योजना के लाभार्थियों में से एक हैं। उन्होंने

बताया कि योजना के तहत मिले एक लाख रुपये के बोनस ने उनके रुके हुए काम पूरे करने में मदद की। इस राशि से उन्होंने अपना अधूरा घर पूरा किया, जो अब बनकर तैयार है। इसके साथ ही, उनके बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाई कराने की उनकी चिंता भी खत्म हो गई।

गंगाराम बताते है कि उनके पास 7 एकड़ जमीन है, जिसमें से 5 एकड़ में वे धान की खेती करते हैं। पिछले साल उन्होंने 118 क्विंटल धान बेचा था, जिसका समर्थन मूल्य उन्हें तुरंत उनके खाते में प्राप्त हो गया। वहीं कृषक उन्नति योजना के तहत 1 लाख रुपया एक मुश्त मिलने से उसका सही उपयोग कर पाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य ?3100 प्रति क्विंटल तय किए जाने से खेती अब लाभकारी हो गई है। इसके अलावा, धान खरीदी केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं और टोकन प्रक्रिया की सरलता ने किसानों का समय और मेहनत बचाई है।

गंगाराम ने कहा कि कृषक उन्नति योजना से मिली राशि का उपयोग वे खेती के लिए आधुनिक उपकरण खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में के रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार को किसानों के हित में उठाए गए कदमों के लिए धन्यवाद दिया। छत्तीसगढ़ सरकार के ये प्रयास यह साबित करते हैं कि जब योजनाएं और नीतियां सही दिशा में होती हैं, तो किसानों की उन्नति और समृद्धि सुनिश्चित होती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में केंद्रीय विद्यालय शुरु होंगे, सीएम साय ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चार नए केंद्रीय विद्यालय शुरू होंगे। राज्य में नए केंद्रीय विद्यालय खोलने की मंजूरी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। नए स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय मुंगेली, सूरजपुर, बेमेतरा और जांजगीर-चांपा जिले के हसौद में प्रारंभ होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में नये केन्द्रीय विद्यालय के प्रारंभ होने से राज्य के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा है कि केन्द्रीय विद्यालय अभिनव शिक्षण पद्धति और नवीनतम अधोसंरचना को लेकर लोकप्रिय है। छत्तीसगढ़ में इन विद्यालयों के प्रारंभ होने से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

बीएड, डीएलएड, बीएबीएड समेत इन प्रोफेशनल कोर्सेस में अंतिम चरण के आवंटन की तिथि जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने डीएलएड, बीएड, बीएबीएड और बीएससीबीएड पाठ्यक्रम 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरण की तिथियां घोषित कर दी है। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व चरणों में प्रवेश नहीं लिया है। वे नि:शुल्क और जो पहली बार पंजीयन कर रहे होंगे। वे निर्धारित राशि के शुल्क के साथ किसी महाविद्यालय/संस्था का 7 दिसंबर 2024 को सुबह 10:30 बजे से 12 दिसंबर 2024 तक अपने विकल्प ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। अंतिम चरण की प्रथम सूची का प्रकाशन 12 दिसंबर 2024 को किया जाएगा। महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि 12 से 16 दिसंबर 2024 को शाम 5 बजे तक निर्धारित है। इसी प्रकार द्वितीय सूची का प्रकाशन 19 दिसंबर 2024 एवं महाविद्यालय में प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 22 दिसंबर 2024 शाम 5 बजे तक होगी। अंतिम सूची की प्रकाशन 23 दिसंबर 2024 को एवं अंतिम प्रवेश की तिथि 24 दिसंबर 2024 को शाम 5 बजे तक होगी। इस संबंध में अभ्यर्थी एससीईआरटी रायपुर की आधिकारिक वेबसाइट https://scert.cg.gov.in पर देख सकते हैं। अभ्यर्थी चिप्स के आधिकारिक वेबसाइट https://slcm.cgstate.gov.in/SCERTOnline/ पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

क्रेटा कार ने बुजुर्ग को रौंदा, दोनों घायल

रायपुर। पचपेड़ी नाका ओवर ब्रिज के पास अनियंत्रित क्रेटा कार ने शनिवार की अलसुबह सुबह 7 बजे डिवाइडर से जा टकराई, इस दौरान ब्रिज के पास पैदल चल रहे बुजुर्ग उसने अपनी चपेट में ले लिया जिसे वह घायल हो रहा। राहगिरों की मदद से बुजुर्ग और क्रेडा चालक को आस के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बुजुर्ग की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही टिकरापारा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और क्रेडा कार को जप्त करने के बाद साथ ही चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए आगे की जांच में जुट गई है।

3 मकानों को 35 हाथियों के दल ने तोड़ा

जशपुर। 35 हाथियों के दल ने कांसाबेल वन परिक्षेत्र के बटाइकेला के बालाझार गांव में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात में तीनों मकानों को तोडने़ के साथ ही घर में रखे अनाज को भी खा गए। इस पूरे मामले में ग्रामीणाजनों ने वन विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय हैं कि पत्थलगांव रेंज से 35 हाथियों का दल कांसाबेल वन परिक्षेत्र के बटाइकेला में प्रवेश कर उत्सात मचा रहे हैं जिसमें नर-मादा सहित हाथियों के शावक भी शामिल है।

धमतरी के मुख्य डाकघर में चोरों ने बोला धावा, 6 लाख 68 हजार रुपए पार

धमतरी। सिटी कोतवाली थाने के पास स्थित

मुख्य डाकघर में शुक्रवार की देर रात चोरों ने धावा बोलकर 6 लाख 68 हजार रुपए से अधिक को पार कर फरार हो गए। पार कर दिए। मौके पर डीएसपी नेहा पवार, थाना प्रभारी राजेश मरई और साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। डॉग स्क्वायड के साथ ही फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद भी ली जा रही है। शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने धमतरी के मुख्य डाक घर में धावा बोला और पीछे दीवार से सेंधमारी कर मुख्य डाकघर के अंदर पहुंचे और मुख्य तिजोरी के चादर को गैस कटर से काटकर 6 लाख 68 हजार रुपए की चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय डाकघर का चौकीदार सोया था, उसे खबर तक नहीं हुई। चौकीदार के इस लापरवाही पर भी पुलिस को संदेह है। साथ ही इतनी बड़ी चोरी हो गई और पास में स्थित कोतवाली पुलिस को भी इसकी खबर नहीं लगी यह भी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। कोतवाली थाने के टीआई राजेश मरई ने बताया कि डाक घर से करीब साढ़े 6 लाख की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर किया गया। चौकीदार से पूछताछ की जारी है। चोरों ने तिजोरी का लॉकर गैस कटर से काटकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सीसीटीवी कैमरों की तलाश हो रही। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा अहम योगदान: साय

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरामय छत्तीसगढ़ बनने की ओर अग्रसर - स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के एम्स आडिटोरियम में रिमोट का बटन दबाकर 100 दिनों तक चलने वाले राज्य स्तरीय निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रिमोट का बटन दबाकर निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रतिमाह दी जाने वाली 1 हजार रूपए की राशि के आनलाइन ट्रांसफर करने की भी शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को निक्षय निरामय की शपथ भी दिलाई। निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत अगले 100 दिनों तक राज्य में टीबी, कुष्ठ और मलेरिया के मरीजों की पहचान की जाएगी और उनका उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना में राज्य के वृद्धजनों का भी स्वास्थ्य जांच और उपचार शामिल है।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित भारत के साथ ही साल 2047 तक छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य रखा गया है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को हमारी सरकार के कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा हो रहा है। बीते 12 महीनों में हमने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। स्वास्थ्य और शिक्षा, ये दो ऐसे विषय हैं जो सीधे-सीधे राज्य और राष्ट्र के विकास से जुड़े हुए हैं। जब हर नागरिक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी, तो वे राष्ट्र के विकास में अपना अधिकतम योगदान दे पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के साथ ही सभी चिकित्सकों ने भी प्रदेश

में चलाए जा रहे स्वास्थ्य अभियानों में हमेशा तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। अनेक दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन के साधनों की कमी होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अमले ने अंदरुनी गांवों तक अपनी सेवाएं पहुंचाई हैं। हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने अनेक दुर्गम गांवों तक पहुंचने के लिए लंबी-लंबी पदयात्राएं कीं, नदी-नालों को भी पार किया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में आप लोगों का यह जज्बा सेना के किसी जवान के जज्बे से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि टीबी, कुष्ठ और मलेरिया जैसी बीमारियों से मुक्ति दिलाने के लक्ष्य को हासिल करने में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य निरामय छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की शुरूआत की जा रही है, मेकाहारा जैसे बड़े अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम करने के लिए नए अस्पताल भवन तैयार किए जा रहे हैं और चिकित्सकों की लगातार भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर नया कीर्तिमान स्थापित हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुधार के लिए मैदानी अमलों, विशेषकर मितानिन बहनों की प्रशंसा करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर निक्षय पोषण योजना के हितग्राहियों को आनलाइन डीबीटी के जरिए राशि प्रदान करने की शुरूआत करने के लिए धन्यवाद दिया।

निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने हाथों से हितग्राहियों को पोषण आहार, हियरिंग एड, वाकर और वाकिंग स्टिक प्रदान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मितानिन बहनों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर आरंग विधायक श्री खुशवंत साहेब, रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी, स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव सुश्री प्रियंका शुक्ला एवं एमडी एनएचएम श्री विजय दयाराम के. भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने मोबाइल मेडिकल यूनिट व प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के ऐम्स परिसर में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय जांच व उपचार अभियान के दौरान लोगों में जागरूकता व टीबी जांच हेतु संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट व प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर संभाग के लिए एक एक वाहन शामिल हैं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा अभियान के दौरान चिन्हाकित किये गए जोखिम समूहों की टीबी हेतु स्पॉट स्क्रीनिंग की जाएगी जिससे संदेहास्पद टीबी मरीजों का स्पॉट पर ही टीबी रोग का पता लगाया जा सकेगा । मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा ए.आई. तकनीक से हैंड हेल्ड एक्स रे, सीवाई-टीबी जांच व 16 चैनल वाले ट्रूनाट मशीन से टीबी के संभावित मरीजों की तुरंत एक्स रे द्वारा जांच एवं उपचार किया जाएगा ।

कांग्रेस का प्रदेशव्यापी हल्लाबोल 10 दिसंबर को

दीपक बैज बोले- 15 दिन और बढ़ाएं धान खरीदी की तारीख

रायपुर। धान खरीदी में हो रही परेशानी को लेकर कांग्रेस 10 दिसंबर को सड़क पर उतरेगी। इसे लेकर पार्टी ब्लॉकों में प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस ने राज्य सरकार से 15 दिन और धान खरीदी की तारीख बढ़ाने की मांग की है।

इस संबंध में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस ने धान खरीदी केन्द्र चलो अभियान चलाया गया, जिसमें हमारे सभी नेता पदाधिकारी धान खरीदी केन्द्रों में गये मैं भी चार सोसायटी गया। आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश में धान खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था किसान परेशान है। सरकार की कोशिश है कम से कम धान खरीदी हो। सोसायटियों में हमारे नेताओं ने देखा कि बारदाने की कमी है, जिससे किसानों को धान बेचने में परेशान हो

रही है। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नये, 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाये। 50 प्रतिशत पुराने बारदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं है, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है। पुराने बारदाने फटे हुये है जिसमें धान भरा ही नहीं जा सकता, किसानों से कहा जा रहा 50 प्रतिशत बारदानो की व्यवस्था स्वंय करो उसका भुगतान किया जायेगा, लेकिन किसानो के बारदाने का पैसा भी नहीं मिल रहा। टोकन की व्यवस्था खराब है, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने कह कि टोकन कटने की तारीख से 7 से 10 दिन बाद धान बेचने के लिये किसानों को बुलाया जा रहा है। 15 दिन बाद तक का भी टोकन नहीं मिल रहा। इलेक्ट्रॉनिक कांटा में जो तौलाई हो रहा है उसमें 1.5 किलोग्राम से 2.5 किलोग्राम अधिक तौला जा रहा है। सोसायटियों में धान का उठाव नहीं होने के कारण जगह की कमी है। धान के बोरे जाम है। जगह का अभाव हो गया है। अनावरी रिपोर्ट कम बनाई गयी है तथा खरीदी भी 21 क्विंटल के हिसाब से नहीं हो रही है।

किसानों से पूरा धान नहीं खरीदा जा रहा है। अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानो से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बड़े किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे उनकी बारी ही नहीं आ रही है। सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आयेगा, लेकिन जो लोग धान बेच चुके है, उनके खाते के रकम हफ्तो तक नहीं आया है, जो रकम आ रहा है वह एक मुश्त 3100 नहीं है। सिर्फ 2300 रू. प्रति क्विंटल ही आ रहा है। (जो समर्थन मूल्य है उतना) भाजपा ने 3100 रू. एक मुश्त देने का वादा किया था।

सैनिकों के लिए मदद करे समाज: राज्यपाल

- सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में हुये शामिल डेका

रायपुर। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में राजभवन के दरबार हॉल में गौरवपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि सैनिक निस्वार्थ भाव से हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहते है और अपना जीवन देश सेवा के लिए लगाते है। समाज के हर वर्ग का कर्तव्य है कि उनके लिए मदद करें। उन्होंने आम जनता से अपील की कि अधिक से अधिक सहयोग देकर वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करें। राज्यपाल ने सशस्त्र झण्डा दिवस निधि के लिए 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने सभी शहीदों की वीर नारियों एवं माताओं, आश्रितों को सम्मान राशि 7 हजार 100 और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वीरता अलंकरण प्राप्त कर्ताओं और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया। राज्यपाल ने आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा जारी स्नातक उपाधि 6 भूतपूर्व सैनिकों को प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल डेका ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है जिससे हम अपने भूतपूर्व सैनिकों की उचित तरीके से देखभाल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि नियमित और अनुशासित होना सफल जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण का उदाहरण देते हुए कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती सुधा सक्सेना की सराहना की जो एक सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी है और अपने पेंशन की राशि से प्रतिवर्ष झण्डा दिवस निधि में विशेष योगदान देती हैं। हमारे समाज में ऐसे असंख्य अदृश्य हीरो है जो समाज की निस्वार्थ सेवा करते है। उन्होंने कहा कि विकास के मॉडल में आम आदमी की भूमिका बढ़ानी होगी। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से आग्रह किया कि वे नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करें और खुद को लगातार अपग्रेड करते रहें। श्री डेका ने कहा कि सारा राष्ट्र सशस्त्र सेना एवं सैनिकों के परिवार साथ खड़ा है। सेवारत और सेवानिव्त्त सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण हेतु हमेशा प्रयासरत रहेंगे।

समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर श्री डेका को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया।

कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने वाले व्यवसायियों के ठिकानों पर स्टेट जीएसटी की दबिश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य कर निरीक्षकों को शासकीय कार्य के दौरान व्यवसायियों की ओर से धमकाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए इस पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए है। राज्य कर जीएसटी विभाग की ओर से बोगस फर्मों, संदिग्ध फर्मों की पहचान के लिए रिस्क पैरामीटर के आधार पर ऐसे फर्मों की पहचान कर भौतिक सत्यापन की कार्यवाही की जा रही है।

विभाग के निर्देश पर निरीक्षकों ने रायपुर स्थित मेसर्स योगेश कमर्शियल, महेश कालोनी, गुढियारी के मुनीश कुमार शाह और मेसर्स जगन्नाथ कन्स्ट्रक्शन, दलदल सिवनी के राहुल

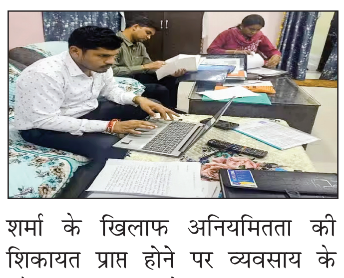

शर्मा के खिलाफ अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर व्यवसाय के भौतिक सत्यापन के लिए राज्य कर निरीक्षक रितु सोनकर और होमेश वर्मा को निर्देशित किया गया था।

आदेश के परिपालन में कर निरीक्षक भौतिक सत्यापन करने गये थे, लेकिन उक्त दोनों व्यवसायियों के द्वारा निरीक्षकों के साथ दुर्व्यवहार करते हुए धमकी दिया गया जिससे व्यवसाय के भौतिक सत्यापन के शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री साय के द्वारा व्यवसायियों के इस कृत्य को गंभीरता से लिया गया।

सीएम साय के निर्देशन में विभाग ने व्यवसायियों के संव्यवहारों की पड़ताल की तथा कर अपवंचन और जीएसटी अधिनियम के प्रावधानो का पालन नहीं करने पर आज विभाग ने दोनों फर्मों के प्रतिष्ठानों पर जांच जब्ती की कार्यवाही की। विभाग द्वारा शासकीय कार्यों में बाधा पहुंचाने एवं अधिकारियों को धमकाने के लिए उक्त व्यक्तियों के विरूद्ध पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की गई।

बबीता नाग ने मुख्यमंत्री को बांधा निरामय सूत्र

रायपुर। एम्स रायपुर के आडिटोरियम में शनिवार को निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बस्तर के तोकापाल की रहने वाली बबीता नाग जो कुछ समय पहले तक टीबी के रोग से पीड़ित थीं। इन्होंने सरकारी अस्पताल में अपनी जांच करायी और शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए समय पर दवाइयों और पोषण आहार का सेवन किया। इसकी वजह से बबीता आज पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से निक्षय निरामय सूत्र बांधा और प्रदेश में स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए आभार प्रकट किया।

महादेव सट्टा मामला : 387.99 करोड़ की संपत्ति कुर्क

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया जिसमें महादेव ऑनलाइन बुक मामले में 387.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त संपत्ति कुर्क की गई है। कुर्क की गई संपत्ति चल (मॉरीशस स्थित कंपनी मेसर्स तानो इन्वेस्टमेंट ऑपर्चुनिटीज फंड द्वारा एफपीआई और एफडीआई के माध्यम से हरि शंकर टिबरेवाल से संबंधित निवेश) और छत्तीसगढ़, मुंबई और मध्य प्रदेश में स्थित अचल संपत्ति के रूप में है, जो कई सट्टेबाजी ऐप/वेबसाइटों के प्रमोटरों, पैनल ऑपरेटरों और प्रमोटरों के सहयोगियों के नाम पर है।

ईडी की जांच में पता चला है कि मेसर्स महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग ऐप एक अम्ब्रेला सिंडिकेट है जो अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों को नए उपयोगकर्ताओं को नामांकित करने, उपयोगकर्ता आईडी बनाने और बेनामी

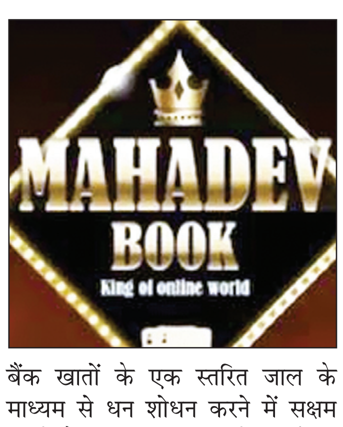

बैंक खातों के एक स्तरित जाल के माध्यम से धन शोधन करने में सक्षम बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की व्यवस्था करता है। मामले में की गई जांच में 19.36 करोड़ रुपये की नकदी, 16.68 करोड़ रुपये की कुल कीमती वस्तुओं को जब्त/फ्रीज किया गया है। इसके अलावा बैंक बैलेंस और प्रतिभूतियों के रूप में चल संपत्तियां जिनका कुल मूल्य 1729.17 करोड़ रुपये है, को भी फ्रीज किया गया है। इससे पहले, इस मामले में 142.86 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के दो अनंतिम कुर्की आदेश जारी किए गए थे। इस प्रकार, इस मामले में अपराध की कुल आय 2295.61 करोड़ रुपये (लगभग) जब्त/फ्रीज/अटैच की गई है। जांच के दौरान, ईडी ने अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है और माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए), रायपुर के समक्ष चार अभियोजन शिकायतें दायर की हैं। आगे की जांच जारी है।

महादेव सट्टा ऐप मामले में कोलकाता से हुई शेयर ब्रोकर की गिरफ्तारी

चर्चित महादेव आनलाइन सट्टा ऐप मामले में ईडी की टीम ने एक नई गिरफ्तारी की है। शनिवार को ईडी ने शेयर ब्रोकर गौरव कुमार केडिया को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी गौरव को 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड पर ईडी को सौंप दिया। ईडी ने शेयर ब्रोकर को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के सहायिका कार्यकर्ताओं को नगर निगम अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने किया सम्मानित

रायपुर। नगर निगम रायपुर के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम जिसके तहत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्र के सहायिकाओं तथा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया,शामिल हुए हैं और उन्हे सम्मानित किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य समीर अख्तर,पार्षद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव,रवि त्रिपाठी एवं महिला बालविकास विभाग के सीडीपीओ तृप्ति राव संहित अनेक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए श्री प्रमोद दुबे ने कहा कि आंगनबाड़ी की बहने शासन के कार्यो के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करती है। मतदाता पर्ची बांटने से लेकर गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने तक का कार्य बड़ी जिम्मेदारी से करती हैं। जो भी कार्य दायित्व उन्हे सौंपा जाता है वे पूरी जिम्मेदारी से इनका निवर्हन करती हैं। कांग्रेस

सरकार में उनका मानदेय बढ़ाने के लिए एक कदम आगे बढ़कर सरकार ने उनका सम्मान किया।

श्री दुबे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधायुक्त बनाया जाए,क्योंकि वहाँ न केवल गरीबों के बच्चों को शिक्षा अध्ययन कराया जाता हैं बल्कि टीकाकरण से लेकर पोलियो तक कि दवा पिलायी जाती है। ताकि आंगनबाड़ी केन्द्रों को सभी वर्ग के लोग सम्मानित दृष्टि से देखें और वहां काम करने वालो को भी सुविधा मिल सके।

टामन सोनवानी और एसके गोयल को 20 तक रहना होगा जेल में

रायपुर। सीजी पीएससी 23 परीक्षा गड़बड़ी मामले में गिरफ्तार पूर्व चेयरमेन टामन सिंह सोनवानी और कारोबारी एसके गोयल की न्यायिक रिमांड सीबीआई की विशेष कोर्ट ने शनिवार को बढ़ा दी है अब वे 20 दिसबंर तक जेल में ही रहेंगे। शनिवार को न्यायिक रिमांड की पहली अवधि पूरी होने के बाद सीबीआई ने टामन सिंह सोनवानी और कारोबारी एसके गोयल को सीबीआई की विशेष कोर्ट पेश किया गया जहां न्यायाधीश ने उनकी न्यायिक रिमांड बढ़ाते हुए 20 दिसंबर तक जेल में रहने का आदेश दिया।

ज्यादा मुसीबत लाएगा ट्रंप का दूसरा कार्यकाल

मिहिर एस शर्मा

दुनिया ने डॉनल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की बात को अप्रत्याशित रूप से स्वीकार कर लिया है। उन्होंने 2016 में पहली बार राष्ट्रपति चुनाव जीता था और उस जीत का जिस आक्रोश, भय और तिरस्कार भाव के साथ स्वागत किया गया था, उसकी तुलना में इस बार उनकी जीत को कुछ हद तक आश्वस्ति के साथ देखा जा रहा है। यहां तक अमेरिकी उदारवादियों में भी आठ साल पहले की तुलना में कम आत्मावलोकन देखने को मिल रहा है और 'प्रतिरोध' को लेकर पहले जैसी प्रतिबद्धता भी नहीं नजर आ रही है। आम भावना यह नजर आ रही है कि वह एक बार सत्ता में रह चुके हैं और उनके रहने से दुनिया खत्म तो नहीं हो गई। हालांकि यह सोचने की भी पर्याप्त अच्छी वजहें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का अगला कार्यकाल, पिछले कार्यकाल की तुलना में अधिक उथलपुथल वाला होगा। ऐसी चार वजहों की बात करते हैं। पहली वजह, इस बार उनके पास जबरदस्त जनादेश है। 2016 में वह लोकप्रिय वोट में हार गए थे और निर्वाचक मंडल में भी एक लाख से कम वोटों ने तीन अहम स्विंग राज्यों को उनके पक्ष में किया था। स्विंग राज्य उन्हें कहा जाता है जहां चुनाव परिणाम किसी भी दल की ओर जा सकते हैं। इस साल वे उन राज्यों में भी अपेक्षाकृत आसानी से चुनाव जीत गए। पुराने स्विंग राज्यों मसलन फ्लोरिडा में उन्हें बड़े अंतर से जीत मिली। डेमोक्रेटिक पार्टी की ये उम्मीदें खत्म हो गई हैं कि टेक्सस अगला स्विंग राज्य होगा क्योंकि ट्रंप ने वहां अपने प्रतिद्वंद्वियों पर भारी बढ़त हासिल कर ली। रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट पर नियंत्रण कर लिया और बहुत सहजता से वे सरकार की तीनों शाखाओं पर काबिज हैं। पारंपरिक रूप से डेमोक्रेट पार्टी के साथ रहे न्यूयॉर्क जैसे क्षेत्रों में ट्रंप के पक्ष में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अपने पहले कार्यकाल में सरकार के भीतर और बाहर उनके प्रतिद्वंद्वियों का माना था कि यह उनका नैतिक अधिकार और लोकतांत्रिक दायित्व है कि वे उनके कदमों का विरोध करें। अगले चार साल में विपक्ष सुनिश्चित तरीके से यह नहीं कह सकता। दूसरा कारण, उन्होंने पारंपरिक रिपब्लिकन पार्टी से निर्णायक ढंग से राह अलग कर ली है। पहले कार्यकाल में उनकी कैबिनेट और व्हाइट हाउस के लिए चुने गए लोगों में पार्टी के प्रतिनिधियों का वर्चस्व था। जो लोग बाहर से चुने गए थे मसलन उनके पहले विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन या उनके पहले रक्षा मंत्री जिम मैटिस, को किसी भी रिपब्लिकन कैबिनेट के ऐसे सदस्य के रूप में देखा जा सकता है जिन्हें बाहर से लाया गया। इनमें से एक तेल कंपनी का पूर्व मुखिया था और दूसरा सेवानिवृत्त चार सितारा जनरल। इस कार्यकाल में अब तक जितने नाम घोषित किए गए हैं वे इस दूसरे कार्यकाल के लिए बहुत अलग रुख प्रदर्शित करते हैं। फ्लोरिडा के विवादास्पद रिपब्लिकन मैट गेट्ज अब अटॉर्नी जनरल नहीं होंगे क्योंकि उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। परंतु न्याय विभाग में जेफ सेशंस जैसे रुढ़िवादी लेकिन मुख्यधारा के रिपब्लिकन सीनेटर की तैनाती और गेट्ज को नामित करने में बहुत अधिक अंतर है। याद रहे कि सेशंस ने 2016 में रूसी हस्तक्षेप की जांच के मामलों में स्वतंत्र अभियान के लिए काफी समय तब दबाव बनाए रखा था। ऐसी ही चिंताएं ट्रंप द्वारा रक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री या राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पदों पर चुने गए नामों को लेकर भी होनी चाहिए। 2016 की ट्रंप सरकार स्पष्ट रूप से एक रिपब्लिकन सरकार थी। ट्रंप 2024 में पूरी तरह दक्षिणपंथी सरकार बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। तीसरी बात, 2024 में दुनिया 2016 की तुलना में अधिक खतरनाक हो चुकी है। अब चूक की गुंजाइश बहुत कम है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में विदेश नीति को सबसे बड़ी चुनौती थी उत्तर कोरियाई मिसाइल परीक्षण। आज चीन की आक्रामकता को देखते हुए न केवल उत्तर-पूर्वी एशिया कहीं कम सुरक्षित है बल्कि यूरोप और पश्चिम एशिया में भी क्षेत्रीय स्तर पर हिंसक घटनाएं भड़क रही हैं। ये बातें दुनिया को और गहरे संकट की दिशा में ले जा सकती हैं। चौथी बात, खुद ट्रंप की बात करें तो वे 78 साल के हो चुके हैं। पहली बार राष्ट्रपति बनते समय उनकी उम्र 70 वर्ष से कम थी। राष्ट्रपति पद का दबाव उन्हें प्रभावित करेगा। उनके भाषण बताते हैं कि उनमें भटकाव है।

सगे भाइयों को सत्ता, सौतेलों के समक्ष संकट

अमिताभ श्रीवास्तव

लोकसभा चुनाव के परिणामों में मिली सफलता के बाद यह तय था कि राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हर दल उत्साह में कुलांचे मारेगा, जिसका प्रभाव अगले चुनाव पर पड़ेगा। पहले हरियाणा चुनाव में झटका लगा और उसके बाद महाराष्ट्र में मुंह की खानी पड़ गई। जम्मू-कश्मीर और झारखंड के विधानसभा चुनाव के नतीजों का सारा श्रेय नेशनल कांफ्रेंस और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे क्षेत्रीय दल ले गए। बीते चुनावों में महाराष्ट्र में विपक्षी एकता महाविकास आघाड़ी के नाम पर बनाई गई, जिसमें राष्ट्रीय गठबंधन के दलों को हिस्सेदारी दी गई।

किंतु सभी की महत्वाकांक्षा इतनी बढ़ चुकी थी कि किसी ने समझौते या सीमाओं का पालन न करते हुए स्वयं की शक्ति पर विश्वास किया, जिससे भीतरघात को तो जगह मिली ही, समग्र परिणाम भी उलट गए। यही भांपकर राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने आपसी सामंजस्य को बांधे रखने के हर संभव प्रयास किए। मतदाता से लेकर कार्यकर्ता तक, सहयोगी दल से लेकर परदे के पीछे काम करने वालों तक सभी को अस्तित्व की लड़ाई का बोध कराया, जिसका परिणाम सामने है। यह किसी के लिए चौंकाने वाला है तो किसी के लिए ऐतिहासिक स्थिति है।

आश्चर्यजनक स्थिति है कि विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद लगभग पंद्रह दिन बीतने के बाद राज्य के विपक्षी गठबंधन में पराजय की कोई समीक्षा नहीं हुई है। हालांकि चुनाव की जिम्मेदारी अनेक कंधों पर थी। इतने दिनों में पूरा ध्यान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन(ईवीएम) में गड़बड़ी से लेकर भविष्य में मत-पत्र से चुनाव कराने की मांग पर लगा है। एक भी नेता इतना साहस नहीं जुटा रहा कि वह हार की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार ले। वह हार का ठीकरा अनबोली मशीन पर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ले रहा है। बात ईवीएम से वीवीपैट पर आ पहुंची है, जिससे कुछ समय तो इन्हीं की चर्चाओं में बीत जाएगा और बात आई-गई हो जाएगी। एक अंग्रेजी अखबार के पास उपलब्ध जानकारी से बने समाचार के अनुसार कांग्रेस को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिलने वाली सीटों का पहले से अंदाज था, जिससे आंतरिक रूप से वह अचंभित नहीं है। समस्या इतनी ही है कि इस सच्चाई को सार्वजनिक रूप से कैसे स्वीकार किया जाए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(शरद पवार गुट) को अंदाज था कि उसके नेता के नाम पर ही इस बार भी उसे मत मिल जाएंगे। मगर मतदाता ने चाचा की बजाय भतीजे को चुना। यही कुछ मानसिकता शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की थी, जिसे मतदाता से निष्ठा के नाम पर मत मिलने की आशा थी। परंतु सत्ताधारियों ने विपक्ष की मजबूती और अपनी कमजोरी का हल मतदाता से सीधे संबंध के रूप निकाला और 'भाऊ-बहन' के नारे को इतना बुलंद किया कि स्थापित नेताओं के मत भी छिटक गए। आम चुनाव के बाद महाविकास आघाड़ी में निचले स्तर पर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता थी, जो चुनाव तक भी ठीक नहीं हुआ।

नेतृत्व के स्तर पर गठजोड़ दिखता था, किंतु जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में पहला संघर्ष स्वयं प्रतिष्ठा से आरंभ होता था। यहां तक कि अनेक बार मंचों पर गठबंधन के दूसरे दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दिया गया। इसके साथ ही तीनों दलों के मंच से दिए संदेश भी भिन्न थे। वहीं राज्य सरकार की योजनाओं पर आघात करना आसान नहीं था। क्योंकि 'लाड़ली बहन' और 'किसान सम्मान' योजनाओं की रकम खातों में पहुंच चुकी थी। इसलिए थोड़ी-सी आलोचना भी महंगी साबित हो सकती थी। कुछ हद तक शुरुआती दौर में गड़बड़ी भी हुई, जिसने 'सगे-सौतेले' का खेल आरंभ किया। पूरे चुनाव प्रचार में सत्ता पक्ष ने उसे जोश के साथ चलाया और जोरदार सफलता पाई।

दरअसल विपक्षी गठबंधन लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को मिले 26.18 प्रतिशत मत को कम आंकने की भूल कर बैठा और उसे यह भी अंदाज नहीं रहा कि गठबंधन में उसके साथ दो अन्य दल भी अपनी ताकत के अनुसार चुनाव में मत पाने में सफल रहे हैं। इस संख्या के आधार पर भविष्य में सीटों की संख्या में कभी भी बदलाव हो सकता है।

सिर्फ आवश्यकता मतदान को बढ़ाने की होगी। चूंकि आघाड़ी में निचले स्तर पर समन्वय का अभाव था, इसलिए बढ़े मतों का लाभ उसके खाते में जाना असंभव था। वही बात परिणामों ने कह दी। संसदीय चुनावों के बाद हरियाणा में आम आदमी पार्टी(आप) से गठबंधन न होना, उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की दूरी और दिल्ली के चुनावों के लिए पहले से ही आप की अलग-अलग लड़ने की तैयारी साफ कर रही है कि अब 'इंडिया' गठबंधन का संकट आगे बढ़ेगा। हर चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल से ताने सुनने ही पड़ते हैं।

आगे वहां भी आसान साथ संभव नहीं होगा। महाराष्ट्र में शिवसेना में अंदरूनी छटपटाहट है तो कांग्रेस का भी मुंह फूला हुआ है। फिलहाल यह संभव नहीं है कि खुलकर सामने आकर किसे दोष दिया जाए, किंतु भविष्य के चुनावों की रणनीति बनने के दौरान इन दबी-छिपी बातों का असर स्पष्ट दिखेगा।

इसमें कोई दो-राय नहीं है कि राज्य का सत्ताधारी महागठबंधन परिस्थिति को देख और आक्रामक होगा। उसका प्रयास आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को जीतकर राज्य की राजनीति पर दबदबा हासिल करने का होगा। वह लोकलुभावन योजनाओं से 'सगा' बनकर 'सौतेले' की परिभाषा को अधिक मजबूत करेगा।

उधर, महाआघाड़ी के समक्ष कम से कम राज्य में निचले स्तर तक एकजुट रहने की बड़ी चुनौती होगी। महागठबंधन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट को छोड़ दिया जाए तो शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा का स्वाभाविक साझेदार है। उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच कोई नयापन नहीं है। इसलिए पराजय के बाद महाविकास आघाड़ी को शायर गुलजार के शब्दों में समझना होगा-

वो मेरे साथ ही था दूर तक मगर इक दिन,
मुड़ के जो देखा तो वो और मेरे साथ न था
जेब फट जाए तो कुछ सिक्के भी खो जाते हैं।

एकात्मता के स्वर

विजयनगर

श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य स्वामी विद्यारण्यतीर्थ जी ने अनागोंदी दुर्ग के ठीक सामने तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी तट पर हम्पी के पास एक नगर बसाया उस स्थान के बारे में एक कथा प्रचलित है-एक बार हरिहर और अनागोंदी नरेश विजयध्वज कुत्ते को साथ ले घूमने जा रहे थे, कुत्ते ने खरगोश का पीछा किया। कुछ दूर जाकर खरगोश आक्रामक होकर कुत्ते के ऊपर पलटा तो भयभीत कुत्ता दुम दबाकर पीछे भागा। यह सारी घटना दोनों ने स्वामी विद्यारण्य को बतायी। इसी पराक्रमी भूमि पर सन् 1336 में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की। होयसेल बल्लाल के तृतीय सामंत संगम यादव के पाँच बेटों में से सबसे बडे पुत्र शौर्य सम्पन्न पराक्रमी हरिहर प्रथम को विजयनगर का सम्राट घोषित किया। स्वयं प्रधानमन्त्री बने। सीधी खडी पहाडियों के बीच बसे विजयनगर का घेरा 60 मील था। इसकी दीवारें सम्पूर्ण घाटी को घेरती हुई पर्वतों तक जाती हैं। यहाँ पर 60 हजार सैनिक निवास करते थे। नगर का निर्माण दस वर्ष में पाँच लाख मजदूर, दो लाख बावन हजार बढ़ई, इक्यावन हजार मिस्त्री, तीन लाख पालेर मजदूरिनें, डेढ लाख भिश्ती, तीन लाख गाडियाँ, पाँच लाख बैल तथा एक लाख गाडीवानों की सहायता से चौबीस घण्टा काम करके सम्पन्न हुआ। हम्पी ही रामायण की किष्किंधा है जहाँ त्रेतायुग में बाली का शासन था। पास ही मातंग पर्वत पर सुग्रीव निष्कंटक रहता था। पम्पा सरोवर भी वहीं पर है। सुग्रीव के पश्चात् अंगद ने राज्य किया तब इस राज्य का नाम अंगदि पड़ा जो आगे चलकर अनागोंदी हो गया। मायण तथा श्रीमती के पुत्र माधव, सायण और भोगनाथ थे जो भारद्वाज कुल में पैदा हुए संस्कृत के परम विद्वान् थे। माधव (माधवाचार्य) ने हम्पी के मंदिर में भुवनेश्वरी देवी से धन प्राप्त करने के लिए कठोर साधना की। देवी ने प्रसन्न होकर कहा, इस जन्म में नहीं अगले जन्म में अपार धन मिलेगा। इतना सुनकर माधव हम्पी छोड श्रृंगेरी मठ में जा स्वामी विद्यातीर्थजी के शिष्य बन संन्यास ग्रहण कर लिया। अब वह माधवाचार्य से विद्यारण्य स्वामी हो गये। तब वह फिर से देवी के मंदिर में पहुँचे और देवी से प्रार्थना कर कहा, अब हमारा संन्यासी बनने से दूसरा जन्म हो गया है। कहते हैं तब देवी ने विजयनगर में स्वर्ण वर्षा कर धन सम्पन्न कर दिया।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

गतांक से आगे...

रघुवंश आदि ग्रन्थों की टीकाओं में उक्त कोशों के प्रमाण उद्धृत किये हैं। (क) बैरेचनं मुखेनैव कासवान् चूम्रमापिबेत्। (ख) कृत्वा वति पिबेद्धूमम्। (चरक चिकि0 23)

आयुर्वेद में चरकसंहिता सबसे प्राचीन ग्रन्थ है। इसके निर्माता महर्षि चरक मन्त्रद्रष्टा ऋषि हैं। क्या अब भी कोई साक्षर उक्त संहिता में तमाल और धूम्रपान शब्द के आ जाने से इसके अकबर के जमाने में निर्मित होने का मिथ्या स्वप्न देखेगा ? असल बात यह है कि धूम्रपान शब्द का अर्थ तम्बाबू गुटकना है ही नहीं? हम आयुर्वेद के प्रसिद्ध संग्रह योगरत्नाकर से तमाखू के नाम दर्ज करते हैं, जिनमें तमाखु का पर्याय तमाल कहीं भी नहीं लिखा। यथा: -

धूमाख्यो धूमवृक्षश्च बृहत्पत्रश्च धूसरः।
तमाखुर्गुच्छफलको धूमय धूमयन्त्रप्रकाशकः।
बहुबीजो बहुफलः सूक्ष्मबोजस्तु दोर्घकः।।

(योगरत्नाकर पृ0 14)

यहाँ तमाखू के घूम आदि ग्यारह नाम लिखे हैं, इनमें तमाल नाम का उल्लेख है ही नहीं। इसके अतिरिक्त पूर्वोद्धृत कोश-प्रमाणों के अनुसार भी तमाल शब्द के अर्थ आबनूस वृक्ष, पत्रक, मस्तक पर लगे चन्दन की रेखा और तलवार आदि होते हैं। अन्यत्र भी किसी पुस्तक में तमाल का अर्थ तमाखू नहीं लिखा। इसलिए यदि पुराणों में तमाल शब्द का हजार बार भी प्रयोग निकल आए तो इसे तमाखू समझ बैठना और फिर उससे अकबर के जमाने वाली बेपर की उड़ाना- चण्डूखाने की गप्प ही हो सकती है। तौजुक जहांगीरी नामक जिस पुस्तक के आधार पर यह आक्षेप घड़ा गया है, बहुत प्रयत्न करने पर भी वह हमें नहीं मिल सकी। अत: हम नहीं कह सकते कि उसमें अमेरिकन पादरी द्वारा भारत में तमाखु लाने का उल्लेख किस रूप में है।

क्रमशः ...

गंगा ने क्यों मारे अपने सात पुत्र? शाप से मुक्त करने की प्रतिज्ञा बना कारण

आशुतोष गर्ग

इक्ष्वाकु वंश में महाभिष नामक प्रतापी राजा हुए। एक दिन ब्रह्मा के समक्ष कुछ देवताओं के साथ महाभिष भी उपस्थित थे। तभी देवी गंगा वहां आईं। वायु के वेग से गंगा का वस्त्र थोड़ा-सा खिसक गया, तो सबने आंखें नीची कर लीं, लेकिन महाभिष, गंगा को निहारते रहे। यह देखकर ब्रह्मा ने महाभिष को शाप दिया, 'तुम मर्त्यलोक में जन्म लोगे और देवी गंगा तुम्हारा अप्रिय करेंगी, किंतु तुम जब उस पर क्रोध करोगे, तो शाप से मुक्त हो जाओगे।'

ब्रह्मा के शाप के फलस्वरूप महाभिष ने राजा प्रतीप के पुत्र शांतनु के रूप में जन्म लिया। प्रतीप की मृत्यु के उपरांत शांतनु राजा बन गए। एक बार शांतनु ने गंगा-तट पर एक सुंदर स्त्री को देखा, जिसे देखते ही उन्हें उससे प्रेम हो गया। वह स्त्री कोई और नहीं, अपितु देवी गंगा थीं। शांतनु ने गंगा के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा, तो गंगा बोलीं, 'मुझे स्वीकार है। परंतु आपको वचन देना होगा कि मैं अच्छा-बुरा जो कुछ करूं, आप मुझे रोकेंगे नहीं और न ही मुझसे कोई प्रश्न पूछेंगे। जिस दिन आपने यह वचन तोड़ा, उसी दिन मैं आपको छोड़कर चली जाऊंगी।'

शांतनु ने गंगा की शर्त मान ली। उन्होंने गंगा से विवाह कर लिया और दोनों सुखपूर्वक रहने लगे। कुछ समय बाद गंगा ने एक पुत्र को जन्म दिया। शांतनु बहुत प्रसन्न थे, किंतु तभी उन्होंने देखा कि गंगा ने अपने नवजात पुत्र को नदी में बहा दिया। शांतनु को बहुत क्रोध आया, लेकिन वह गंगा की शर्त से बंधे थे, इसलिए उन्होंने गंगा से कोई प्रश्न नहीं किया। फिर कुछ समय बाद गंगा ने अपने दूसरे पुत्र को भी नदी में बहा दिया। इस तरह एक-एक करके गंगा ने शांतनु की आंखों के सामने अपने सात पुत्रों को नदी में डुबाकर मार डाला।

फिर जब आठवां पुत्र उत्पन्न हुआ, तो गंगा उसे भी नदी की ओर ले जाने लगीं। इस बार शांतनु से सहन नहीं हुआ। उन्होंने गंगा से नवजात शिशुओं की हत्या करने का कारण पूछा और अपने आठवें पुत्र को छोड़ देने का आग्रह भी किया।

तब गंगा ने उत्तर दिया, 'महाराज, मैं आपके आठवें पुत्र को नहीं मारूंगी। परंतु शर्त के अनुसार मैं अब यहां नहीं रह सकती। ये आठों पुत्र दरअसल, अष्ट वसु हैं। वशिष्ठ के शाप से इन्हें मनुष्य योनि में जन्म लेना पड़ा और मैंने इन्हें शाप से मुक्त करने की प्रतिज्ञा की थी, इसलिए मैंने इन्हें जन्म लेते ही मारकर मुक्त कर दिया। मैं आपके इस आठवें पुत्र को शस्त्र और शास्त्र में पारंगत करके उचित समय पर आपको लौटा दूंगी।'

शांतनु ने पूछा, 'महर्षि वशिष्ठ ने वसुओं को शाप क्यों दिया था?' देवी गंगा ने वसुओं की कथा सुनाई - महर्षि वशिष्ठ मेरु पर्वत के निकट रहते थे। कामधेनु की पुत्री नंदिनी भी उनके साथ रहती थी। एक बार पृथु आदि अष्ट वसु, अपनी पत्नियों के साथ वहां पहुंचे। उस समय वशिष्ठ आश्रम से बाहर गए हुए थे। उन आठ में से द्यौ नामक एक वसु की पत्नी की दृष्टि नंदिनी पर पड़ गई। उसने द्यौ से कहा कि वह उसके लिए नंदिनी का हरण कर ले आए। द्यौ ने अपने भाइयों के साथ मिलकर वशिष्ठ की नंदिनी गाय को चुरा लिया। वशिष्ठ जब आश्रम लौटे, तो उन्हें नंदिनी नहीं मिली। उन्हें दिव्य दृष्टि से पता लग गया कि वसुओं ने उनकी गाय चुराई है।

चीन पर अमेरिकी प्रतिबंध से तूफान

जितेंद्र उत्तम

चीन के सेमीकंडक्टर बनाने वाले घटकों और तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध ने तूफान ला दिया है, जिसके चलते बदले और जवाबी कार्रवाई का नया दौर शुरू हो गया है। टैरिफ थोपने की इस बदले की नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है और भू-राजनीति जटिल हो गई है। बाइडन प्रशासन ने 2022-2024 के दौरान चिप निर्माण और उससे संबंधित आपूर्ति श्रृंखलाओं में अमेरिकी दबदबा बनाए रखने के लिए मजबूत विधायी हस्तक्षेप किया है।

अमेरिका ने सेमीकंडक्टर का आविष्कार किया, लेकिन अब वह दुनिया की आपूर्ति का लगभग 10 फीसदी का ही उत्पादन करता है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उद्देश्य निर्यात को सीमित करना और उन्नत कंप्यूटिंग चिप, सुपर कंप्यूटर और उन्नत सेमीकंडक्टरों के चीनी विनिर्माण को नियंत्रित करना है। अमेरिकी प्रतिबंधों पर प्रतिक्रिया करते हुए चीन ने भी दो जवाबी कदम उठाए हैं। चीन ने अमेरिका को सेमीकंडक्टरों के उत्पादन के लिए जरूरी जर्मेनियम और गैलियम के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। बीजिंग ने इसकी शिकायत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भी की। इससे पहले चीन ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मुद्दों का हवाला देते हुए जापान को दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

इसके अलावा, चीन ने घरेलू आईटी उद्योग को 150 अरब डॉलर से ज्यादा की सब्सिडी देना शुरू किया। अन्य देश भी सब्सिडी का मार्ग अपना रहे हैं। यूरोप, जापान और भारत भी सेमीकंडक्टर पर सब्सिडी शुरू कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर निर्माण का स्थान बदलने के साथ चिप निर्माण सामग्री का उत्पादन और आपूर्ति भी बढ़ेगी। महाशक्ति देशों के बीच तकनीकी श्रेष्ठता की इस प्रतिद्वंद्विता में भारत सेमीकंडक्टर उद्योग में छलांग लगाने का महत्वपूर्ण

अवसर देखता है। पहले से ही चीन से पीड़ित माइक्रोन कंपनी 8.3 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश के साथ गुजरात में एक परीक्षण और पैकेजिंग केंद्र स्थापित कर रही है।

ताइवान की टीएसएमसी और फॉक्सकॉन कंपनियां भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग में प्रवेश के लिए सक्रिय ढंग से बातचीत कर रही हैं। तेजी से बढ़ता अमेरिका-चीन सेमीकंडक्टर युद्ध भारत के लिए एक अवसर के रूप में आया है, जिसमें चरणबद्ध तरीके से वैश्विक उद्योग के स्थानांतरण, भारत की क्षमताओं के उन्नयन और आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्गठन होगा। भारतीय नेतृत्व मानता है कि एक मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग के बिना, भारत चौथी औद्योगिक क्रांति में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी नहीं हो सकता है। 2021 में, मोदी प्रशासन ने भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग के निर्माण और इसे वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में जोड़ने के लक्ष्य के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) लॉन्च किया। भारत की आर्थिक नीति के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक विशेषकर चीन के साथ बढ़ता व्यापार असंतुलन है।

सेमीकंडक्टर आयात भारत के व्यापार असंतुलन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जिसमें 2021-2023 के दौरान 92 फीसदी की वृद्धि हुई है। आईएसएम का लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और इस रणनीतिक उद्योग में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। अमेरिका-चीन के तकनीकी युद्ध ने भारतीय नीति निर्माताओं के लिए इस उद्योग के निर्माण की अनिवार्यता पैदा कर दी है। उनका मानना है कि वर्तमान भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक रुझान नई दिल्ली के पक्ष में हैं, क्योंकि अमेरिका और उसके प्रमुख सहयोगी, जैसे जापान, चीन को सेमीकंडक्टर हब बनने से रोकना चाहते हैं। उनकी प्रमुख रणनीतियों में से एक समान विचारधारा वाले देशों के आधार पर आपूर्ति श्रृंखला बनाना है, और भारतीय नीति निर्माता भारत को उन उदार देशों के लिए एक स्वाभाविक भागीदार के रूप में देखते हैं, जो सेमीकंडक्टर उद्योग पर हावी हैं।

सेमीकॉन इंडिया, 2023 सम्मेलन के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी ने समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच 'विश्वसनीय मूल्य श्रृंखला' बनाने में भारत के महत्व पर जोर दिया। भारत अपने चिप विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ अपनी भागीदारी और सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। भारत ने अमेरिका, जापान और ताइवान के साथ अपने चिप सहयोग को मजबूत किया है। भारत ने जनवरी 2023 में क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पहल के माध्यम से अमेरिका के साथ एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित की, जिसका लक्ष्य लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने पूरक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए तत्काल और दीर्घकालिक अवसरों की पहचान करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाकर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर एसोसिएशन और यूएस सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन के बीच संस्थागत सहयोग की सुविधा भी प्रदान की है।

भारत का लक्ष्य एक अग्रणी सेमीकंडक्टर शक्ति बनना है और इस लक्ष्य को पाने के लिए, यह एक मजबूत सेमीकंडक्टर प्रतिभा पूल विकसित करने की जरूरत को समझता है। यह भारत की तेजी से बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करेगा और सेमीकंडक्टर प्रतिभा की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करेगा। दुनिया के लगभग 20 फीसदी सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों के साथ, भारत पहले से ही इस उद्योग के लिए कार्यबल का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय विश्वविद्यालयों के कई विज्ञान और इंजीनियरिंग छात्र प्रमुख वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए काम करते हैं।

इसके अलावा, भारत दुनिया की शीर्ष 25 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों में से लगभग एक-चौथाई के अनुसंधान और विकास केंद्रों की मेजबानी करता है। सेमीकंडक्टर प्रतिभा केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए भारत सरकार ने कई पहल शुरू की हैं। मोदी-बाइडन शिखर सम्मेलन के दौरान, यह घोषणा की गई थी कि अमेरिकी कंपनी लैम रिसर्च भारत के सेमीकंडक्टर शिक्षा और कार्यबल विकास लक्ष्यों में तेजी लाने के लिए अपने सेमीवर्स सॉल्यूशन के माध्यम से 60,000 भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षित करेगी।

मोदी प्रशासन ने भारत की औद्योगिक रणनीति को बदल दिया है, जो अब कोरिया की परखी हुई रणनीतिक औद्योगिक नीति के काफी करीब है। कोरियाई और ताइवानी अनुभवों से सीखते हुए, भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इसे एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में पहचाना है। केंद्र सरकार ने पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन प्रदान किया है। नई पीएलआई योजना निजी खिलाड़ियों के लिए है, लेकिन सब्सिडी उनके प्रदर्शन, जैसे उत्पादन और निर्यात से जुड़ी हुई है। अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिद्वंद्विता भारत को एक समान अवसर प्रदान कर सकती है।

आज का इतिहास

1982 कोलंबिया के लेखक गैब्रिएल गार्सिया मार्केज को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

1987 अरब-इजरायल संघर्ष-एक इजरायली सेना के टैंक ट्रांसपोर्टर ने चार फिलिस्तीनी शरणार्थियों को मार डाला और सात अन्य लोगों को घायल कर दिया, जो इज़राइल-गाजा पट्टी की सीमा पर एरेज़ क्रॉसिंग पर पहली इंतिफादा स्पार्किंग में दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

1987 मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलिया पोस्टबिल्डिंग में एक व्यक्ति ने आठ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, इससे पहले कि वह अपनी मौत के लिए कूद पड़े।

1987 विश्व की दो महाशक्तियों अमरीका और सोवियत संघ के नेताओं ने ऐसी पहली संधि पर दस्तख़त किया जिसमें भूमि आधारित परमाणु हथियारों के जख़ीरे को कम करने का प्रावधान था।

1991 बेलारूस, रूस और यूक्रेन के नेताओं ने बेलवेजहाकार्ड्स पर हस्ताक्षर किए, सोवियत संघ को भंग करने और स्वतंत्र राज्यों के कॉमनवेल्थ की स्थापना के लिए सहमति व्यक्त की।

1993 अमेरिकी राष्ट्रपति, बिल क्लिंटन ने दुनिया के सबसे बड़े व्यापार समझौते, उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) को पारित किया है, जिसमें अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको शामिल हैं।

1999 रिकॉर्डिंग उद्योग एसोसिएशन ऑफ़ अमेरिका ने पीयर-टू-पीयर फ़ाइल साझाकरण नेटवर्क नैप्स्टर के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि थ्रेसवर्क ने व्यापक कॉपीराइट उल्लंघन की सुविधा प्रदान की है।

2006 अधिकारियों के अनुसार, 2006 के आसियान शिखर सम्मेलन जो कि फिलीपींस में होने वाला है, गंभीर उष्णकटिबंधीय तूफान, यूटोर की वजह से देरी हुई है। अधिकारियों ने यह भी मना किया कि देरी आतंकी खतरे के कारण हुई थी।

2007 अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबन्धन सेना और नाटो की सेनाओं ने दक्षिणी अफ़ग़ानिस्तान के मूसा कला ज़िले में तालिबानी आतंकवादियों पर हमले किये।

2007 एक क्रेन बजरा जो दक्षिण कोरिया के डाएसान के पास एक टगबोट से मुक्त होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, तेल के टैंकर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे देश की सबसे खराब स्थिति बन गई।

2009 होंडुरास में एंटी ड्रग ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रमुख जूलियन एरिस्टाइड्स गोंजालेज को अज्ञात बंदूकधारियों ने मार दिया है।

जब देवेंद्र फडणवीस तय थे, फिर क्यों हुई देरी?

अभिमन्यु शितोले

भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बन कई रेकॉर्ड बना दिए हैं। वह तीसरी बार इस पद पर बैठने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं। उन्होंने भाजपा की तरफ से भी सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं के क्लब में एंट्री कर ली है। इस क्लब में अभी तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिवराज सिंह चौहान, अर्जुन मुंडा और बीएस येदियुरप्पा ही थे।

विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही तय था कि फडणवीस को मुख्यमंत्री बनना है। संघ उनके समर्थन में था। पीएम नरेंद्र मोदी उनके समर्थन में थे। चुनकर आए ज्यादातर विधायक उनके समर्थन में थे। यहां तक कि भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन महायुति में शामिल दल एनसीपी (अजित पवार), शिवसेना (एकनाथ शिंदे), आरपीआई (रामदास आठवले), सब फडणवीस के फेवर में थे। फिर भी फडणवीस की ताजपोशी में 13 दिन लग गए।

इसकी सबसे बड़ी वजह रही महायुति में मंत्री पदों के पोर्टफोलियो का बंटवारा तय नहीं हो पाना। एकनाथ शिंदे भाजपा का सीएम बनाने को तो तैयार थे, लेकिन खुद डिप्टी सीएम बनने में हिचक रहे थे। साथ ही, वह अपनी पार्टी के लिए गृह, राजस्व और नगर विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय मांग रहे थे। भाजपा गृह मंत्रालय छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। इसी बीच शिंदे बीमार हो गए और अपने गांव चले गए। इससे यह मेसेज गया कि वह नाराज हैं। इसी दरम्यान भाजपा ने घोषणा कर दी कि महाराष्ट्र की नई सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को होगा और 4 दिसंबर को विधायक दल की बैठक में पार्टी अपना मुख्यमंत्री चुनेगी। यह एक तरह से शिंदे के लिए अल्टीमेटम भी था। इसका असर हुआ। शिंदे गांव से लौटे, अपना इलाज भी कराया और सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

भाजपा में भी फडणवीस को फिर से मुख्यमंत्री बनाने को लेकर ऊहापोह की स्थिति थी। सोशल इंजिनियरिंग का गणित उलझा हुआ है। महाराष्ट्र में मराठा डॉमिनेट करते हैं, वहीं ओबीसी भी बड़ी ताकत हैं। दलित खासकर महाराष्ट्र का नवबौद्ध संगठित और राजनीतिक रूप से जागरूक है। ऐसे में क्या राज्य को फडणवीस के रूप में ब्राह्मण सीएम दिया जाए, यह चर्चा राजनीतिक सर्कल में आम थी। पार्टी के भीतर भी मराठा और ओबीसी नेता इसे हवा दे रहे थे।

देवेंद्र फडणवीस के पक्ष में उनकी मेहनत, 132 सीटों की बंपर जीत, उनके विरोध में किसी के खुलकर न बोल पाने की मजबूरी और संघ का समर्थन रहा। रिजल्ट के दूसरे ही दिन फडणवीस नागपुर संघ मुख्यालय में सरसंघचालक मोहन भागवत से मिलने गए थे। दूसरी बात यह थी कि फडणवीस के अलावा भाजपा के पास ऐसा कोई और नेता नहीं था, जो तीन दलों की सरकार का सक्षम नेतृत्व कर सके। लिहाजा भाजपा नेतृत्व ने सोशल इंजिनियरिंग करने के बजाए मेरिट पर फैसला लिया।

जब फडणवीस को सीएम पद से हटाकर डिप्टी सीएम बनाया गया तो पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को यह पसंद नहीं आया था। भाजपा ने उसी गलती की भरपाई की। फिर, जिस नेता के नेतृत्व में प्रचंड जीत मिली, अगर उसे सीएम न बनाया जाता तो कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ता। देवेंद्र को दिल से मेहनत करने का इनाम मिला है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आने के बाद जब शत-प्रतिशत भाजपा की संकल्पना पर अमल शुरू हुआ तो इसका एक मतलब कांग्रेस के साथ-साथ क्षेत्रीय दलों का सफाया भी था। इसके लिए महाराष्ट्र और यूपी को पायलट प्रॉजेक्ट के तौर पर चुना गया था। भाजपा ने यूपी में कांग्रेस, बीएसपी को साफ और एसपी को हाफ करने में कामयाबी पा ली है। जहां तक सवाल महाराष्ट्र का है, तो यहां दो ही बड़ी ताकतें थीं ङ्क शिवसेना और शरद पवार। भाजपा ने दोनों को तोड़ दिया है। कांग्रेस अपनी ही अंदरूनी बीमारियों से ग्रस्त होकर कमजोर है। ऐसे में अब भाजपा का अगला लक्ष्य मुंबई महानगरपालिका पर कब्जा करना होगा।

मुंबई महानगरपालिका का सालाना बजट करीब 60 हजार करोड़ रुपये होता है, कई राज्यों के बजट से ज्यादा। इसी से इसका महत्व समझ सकते हैं। पिछले 30 साल से इस पर बालासाहेब और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना का कब्जा है। 2017 तक भाजपा भी शिवसेना के साथ मुंबई महानगर पालिका की सत्ता में भागीदार रही। 2017 में दोनों पार्टियां अलग-अलग लड़ीं और शिवसेना कुछ सीट के अंतर से भाजपा से आगे निकल गई।

2017 के बाद से मुंबई महानगरपालिका समेत महाराष्ट्र की 51 महानगर पालिकाओं के चुनाव नहीं हुए हैं। मामला ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण का फंसा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहा है। पिछले चार-पांच साल से राज्य सरकार ही आईएएस अफसरों को प्रशासक नियुक्त कर इन महानगर पालिकाओं पर राज कर रही है। अब अगर चुनाव का रास्ता साफ हुआ तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना को खत्म करने के लिए भाजपा सबसे पहले मुंबई महानगर पालिका पर कब्जा करना चाहेगी। उसकी मदद के लिए एकनाथ शिंदे की शिवसेना तो है ही। हालांकि भाजपा और फडणवीस आने वाले दिनों में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी को सत्ता व राजनीति में कितना स्पेस देंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

भारत-बांग्लादेश के बीच रिश्ते कब सामान्य होंगे?

शोभना जैन

कुछ समय पूर्व भारत के साथ प्रगाढ़ संबंध वाले बांग्लादेश में हाल में शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट और यूनुस सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद से वहां भारत विरोधी तौर-तरीकों, विशेष तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के चलते संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। भारत वहां अल्पसंख्यकों, विशेषतौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर लगातार चिंता जता रहा है। भारत-बांग्लादेश अनेक मर्तबा उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरते रहे हैं लेकिन कुल-मिलाकर रिश्ते दोस्ताना ही रहे।

हाल के कुछ वर्षों में, विशेष तौर पर शेख हसीना के कार्यकाल के समय दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिली, विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ा। लेकिन गत अगस्त में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के बनने के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में कड़वाहट शुरू हुई और पिछले दिनों वहां हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, उन के घरों, मंदिरों पर बढ़ते हमलों और आगजनी की घटनाओं के बीच हाल ही में वहां इस्कॉन के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के बीच तनातनी काफी बढ़ गई है।

आखिर भारत के बेहद करीबी रहे बांग्लादेश के साथ रिश्ते कब फिर से उसी मुकाम पर पहुंचेंगे, रिश्तों में ये तल्खियां कब खत्म होंगी? लगता तो यही है कि जब तक वहां चुनाव नहीं होते तब तक संबंध सामान्य नहीं होंगे। भारत और बांग्लादेश चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करते हैं और दोनों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक

और आर्थिक रिश्ते हैं। बांग्लादेश की सीमा भारत और म्यांमार से लगती है लेकिन उसकी 94 प्रतिशत सीमा भारत से लगती है। बीते कुछ सालों में बांग्लादेश भारत के लिए एक बड़ा बाजार बनकर उभरा है।

दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। बहरहाल बेहद तनावपूर्ण आंतरिक असंतोष से गुजर रहे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है, उससे न केवल भारत बल्कि इंग्लैंड ने भी कूटनीतिक स्तर पर गहरी चिंता जताई है।

उम्मीद की जानी चाहिए कि न केवल यूनुस सरकार बल्कि वहां आम चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार दोनों देशों की जनता के बीच अपनेपन से भरे गहरे भावनात्मक, सामाजिक रिश्तों के साथ द्विपक्षीय सहयोग की महत्ता समझेगी। देखना होगा कि चुनावों तक क्या रिश्तों में तल्खियां यूं ही जारी रहेंगी और फिर चुनावों के बाद नई सरकार भारत के साथ सकारात्मक सोच के साथ कैसे रिश्ते रखती है।

यात्राएं करने की तैयारी में नीतीश कुमार

राहिल नोरा चोपड़ा

अगले साल अक्तूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए यात्राएं करने की तैयारी में हैं। 15 दिसंबर को कुमार 2005 के बाद से अपनी 15वीं यात्रा शुरू करेंगे, जिसका नाम 'महिला संवाद यात्रा' है। हालांकि, राज्य में हाल ही में हुए उप-चुनाव के नतीजों से उत्साहित नीतीश कुमार पश्चिमी चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर से महिला मतदाताओं से संवाद करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, वे महिलाओं, जीविका दीदियों से संवाद करेंगे और सरकार के 7 निश्चय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के तेजस्वी यादव ने अपने 'कार्यकर्त्ता दर्शन-सह-संवाद यात्रा' के तीसरे चरण की शुरूआत 4 दिसंबर को मुंगेर जिले से की थी और उन्होंने घोषणा की थी कि अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद अगर महागठबंधन सत्ता में आता है तो वह उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे । इस कदम को एक बड़ा राजनीतिक जुआ बताया जा रहा है। उन्होंने पिछले महीने प्रमुख हिंदू त्यौहारों और राज्य की 4 विधानसभा सीटों पर उप-चुनावों के कारण यात्रा रोक दी थी, जो अब समाप्त हो चुके हैं। बिहार चुनावी साल में सभी तरह की राजनीतिक यात्राओं के लिए जाना जाता है। ये राजनीतिक ताकत दिखाने का सबसे विश्वसनीय साधन हैं। सभी प्रमुख राजनीतिक दल इनके साथ प्रयोग करते हैं। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकाली थी। भाकपा-माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा', विकासशील इंसान पार्टी (वी.आई.पी.) प्रमुख मुकेश साहनी की 'निषाद संकल्प यात्रा' भी कुछ महीने पहले हुई थी।

जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने में लगी 'आप'ः विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया, उनसे दिल्ली सरकार की मुफ्त योजनाओं के बारे में जनता को सूचित करने का आग्रह किया।

हालांकि गुलाबी टिकट द्वारा दिल्ली में 4,000 से अधिक

राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं को मुफ्त सवारी प्रदान की जाती है। आम आदमी पार्टी ने 2020 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले 2019 में डी.टी.सी. और क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त कर दी थी, जिसका उद्देश्य महिलाओं के लिए बस की सवारी को सुरक्षित और अधिक सुलभ बनाना था। हाल ही में, दिल्ली सरकार ने महिलाओं को शहर की बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति देने के लिए 150 करोड़ गुलाबी टिकट जारी करने की एक उपलब्धि हासिल की।

जबकि भाजपा ने घोषणा की कि वह आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की पहलों को बनाए रखेगी, जिसमें पहले 200 इकाइयों के लिए मुफ्त बिजली, पानी की सबसिडी और महिलाओं के लिए मानार्थ बस सवारी शामिल है। इस बीच 'आप' ने भाजपा के चुनावी वायदों को जुमला करार देते हुए आरोप लगाया कि अगर वह सत्ता में आई तो महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और बिजली सबसिडी योजना जैसी सेवाएं बंद कर देगी।

कांग्रेस में जल्द ही बड़े संगठनात्मक फेरबदल का फैसला होने की संभावना ः हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस में जल्द ही बड़े संगठनात्मक फेरबदल का फैसला होने की संभावना है। पार्टी ए.आई.सी.सी. और हरियाणा, ओडिशा और राजस्थान में नई नियुक्तियों की योजना बना रही है।

चर्चा है कि महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, जिन्होंने अलपुझा से लोकसभा चुनाव जीता है, केरल में के.पी.सीसी. प्रमुख के रूप में स्थानांतरित हो जाएंगे। वेणुगोपाल राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं और कांग्रेस के निर्णय लेने वाले तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ गए हैं। चर्चा है कि वेणुगोपाल की जगह कांग्रेस के नए महासचिव संगठन की नियुक्ति की जाएगी। जो नाम चर्चा में है, वह पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का है।

15 दिसंबर तक आधे राज्यों में नए अध्यक्ष चुनेगी भाजपा ः भाजपा अपने आंतरिक संगठनात्मक चुनावों के साथ रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है और 15 दिसंबर तक आधे राज्यों में नए अध्यक्ष चुने जाएंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। जे.पी. नड्डा जनवरी 2020 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रतिस्थापन के चुनाव की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए उनका तीन साल का कार्यकाल बढ़ाया गया था।

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल आम सहमति से चुने जाने के बाद 3 साल का होता है। जबकि भाजपा का 'थिंक टैंक' ओ.बी.सी. या एस.सी. राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए उत्सुक है क्योंकि इसके कारण उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में अपनी ताकत में सुधार की उम्मीद है। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की मंजूरी से किया जाएगा।

संसद में 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं का विरोध प्रदर्शन ःसंसद में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और तीखी नोक-झोंक देखने को मिली। जबकि 'इंडिया' ब्लॉक के नेता संसद के द्वार पर एकत्रित हुए। उन्होंने 'मोदी अडानी एक है' और 'अडानी सुरक्षित है' के नारे लिखी काली जैकेट पहन रखी थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को अपनी सफेद टी-शर्ट और कोट पर नारे लिखे हुए देखा गया। कांग्रेस के अन्य प्रमुख सांसद भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। नारे सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए लगाए गए, जिसमें अडानी को जवाबदेही से बचाने का आरोप लगाया गया। जबकि टी.एम.सी. ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेने से परहेज किया। राजद से लेकर सपा तक 'इंडिया' ब्लॉक के अधिकांश अन्य सदस्य विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में मौजूद थे।

आर.एस.एस. की 100 वर्षों की गौरवमयी यात्रा

श्वेत मलिक

भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक उत्थान के लिए संघर्ष के 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा में आर.एस.एस. ने देश के हर पहलू को छुआ। 27 सितंबर 1925 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संगठन का प्रारंभिक उद्देश्य हिंदू समुदाय को एकजुट करना और ड्ढक्षहदू राष्ट्र (हिंदू राष्ट्र) की स्थापना के लिए चरित्र प्रशिक्षण प्रदान करना तथा 'हिंदू अनुशासन' स्थापित करना था। अनेक विरोध, अवरोध और संकटों को पार कर संघ की व्यापकता, शक्ति और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है, इसलिए संघ की चर्चा भी सर्वत्र होती दिखती है। 100 साल की यात्रा के कई पड़ाव हैं।

अब संघ कार्य की विकास यात्रा तीव्र गति से चल रही है, जिसके कारण संघ परिवार आज वट वृक्ष बन गया है। 1 लाख संघ शाखाएं,15 करोड़ स्वयंसेवक, 2 लाख विद्यालय, 5 लाख शिक्षक,1 करोड़ विद्यार्थी, 2 करोड़ भारतीय मजदूर संघ के सदस्य,1 करोड़ विद्यार्थी परिषद के सदस्य, 17 करोड़ भाजपा सदस्य,1200 साहित्य प्रकाशन समूह, 9 हजार पूर्णकालिक कार्यकर्त्ता, 7 लाख पूर्व सैनिक, विश्व में 1 करोड़ विश्व हिंदू परिषद के सदस्य,1.5 लाख जन सेवा कार्य, प्रत्येक स्वयंसेवक राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए संघ के साथ घटक के नाते जुड़ता है।

संघ संस्थापक डा. हेडगेवार जी ने कहा था कि संघ कार्य को शाखा तक ही सीमित नहीं रखना है, उसे समाज में जाकर करना है। अपने परिवार के लिए आवश्यक अर्थार्जन करना, परिवार का ध्यान रखना और शाखा में नियमित जाना इतने मात्र से नहीं चलेगा। समाज परिवर्तन और जागरण के किसी भी कार्य में अपने समय का नियोजन कर सक्रिय होना यह संघ कार्य है। आर.एस.एस. के माध्यम से नए समर्पित व्यक्ति शायद संघ से नहीं भी जुड़ेंगे पर संघ स्वयंसेवक के नाते हम उनसे जुड़े। हमारे ही समाज के कुछ वर्गों को अछूत कहकर शिक्षा, सुविधा और सम्मान से पुरानी सरकारों ने दुर्भाग्य से वंचित रखा।

यह सरासर अन्यायपूर्ण था। इस अन्याय को दूर कर अपनी सांझी विरासत को याद कराते हुए सबको साथ लेकर आगे बढने् के प्रयास 'सामाजिक समरसता' के माध्यम से आरम्भ हुए। जानिए, समाज के किन-किन क्षेत्रों में काम करते हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक।

विद्या भारती : यह शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत देश की सबसे बड़ी अशासकीय संस्था है। इसकी स्थापना 1977 में मुरलीधर दत्तात्रेय देवरस द्वारा की गई। वैसे प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना 1952 में गोरखपुर में की गई। अभी पूरे देश में लगभग 2 लाख औपचारिक और अनौपचारिक विद्यालय चल रहे हैं।

भारतीय मजदूर संघ : 23 जुलाई 1955 को भोपाल में दत्तोपन्त ठेंगड़ी द्वारा स्थापित यह देश का सबसे बड़ा केंद्रीय मजदूर संगठन है। इसका नारा है, 'देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम'। इसके 2 करोड़ के लगभग सदस्य हैं। यह संगठन अधिकार के साथ कर्त्तव्य की भी बात करता है। भगवा ध्वज को झंडा के रूप में अपनाया है।

भारतीय किसान संघ : इसकी स्थापना 4 मार्च 1979 में दत्तोपन्त ठेंगड़ी ने की थी। इसका उद्देश्य भारतीय किसानों का समग्र विकास है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद : आर.एस.एस. के द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी की प्रेरणा से 13 जून 1948 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना की गई। 9 जुलाई 1949 को इसका निबंधन कराया गया। वर्तमान में पूरे देश में 1 करोड़ से अधिक इसके सदस्य हैं।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद : इसकी स्थापना 1992 में दिल्ली में की गई थी। यह देश भर के अधिवक्ताओं को एक साथ लाने का मंच है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत : 1974 में पुणे में बिन्दुमाधव जोशी द्वारा स्थापित यह संगठन उपभोक्ता अधिकारों व जागरूकता के लिए काम करता है।

संस्कार भारती : ललित कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के उद्देश्य से इसकी स्थापना वर्ष 1981 में लखनऊ में की गई।

सेवा भारती : 1979 में स्थापित संघ का यह प्रकल्प मुख्यतः आदिवासी क्षेत्रों में कार्य करता है।

संस्कृत भारती : संस्कृत को पुनः बोलचाल की भाषा बनाने के लिए कार्य करने वाली इस संस्था की 1996 में स्थापना हुई।

विश्व हिंदू परिषद : इसकी स्थापना जन्माष्टमी के दिन 1964 में मुंबई में की गई। इसका ध्येय वाक्य है, जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

स्वदेशी जागरण मंच : यह संघ का आर्थिक संगठन है और स्वदेशी उद्योगों और संस्कृति के विकास के लिए जागरूक करता है। स्वदेशी अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करता है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद : इसे 1966 को नई दिल्ली में स्थापित किया गया। यह भारतीय भाषाओं का देशव्यापी संगठन है।

राष्ट्र सेविका समिति : महिलाओं के बीच काम करने के लिए लक्ष्मीबाई केलकर जिन्हें मौसी जी के नाम से जानते हैं, ने आर.एस.एस. के संस्थापक डा. केशव बलिराम हेडगेवार के परामर्श से 1936 में विजयदशमी के दिन राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की थी।

भारतीय जनसंघ पार्टी : डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की स्थापना के लिए तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरु जी से कार्यकर्ता की मांग की। कुछ संघ कार्यकर्त्ता इसी पक्ष में थे। 1951 में विधिवत रूप से भारतीय जनसंघ की स्थापना की गई।

डबल इंजन की ताकत-फिर भी सुलगता मणिपुर

ऋतुपर्ण दवे

मणिपुर में रह-रह कर कुछ अंतराल के बाद हो रही बर्बर हिंसा शर्मसार कर देती है। बीते बरस 3 मई से शुरू हुई इस हिंसा को रोकने में नाकामयाबी पर भले ही जो राजनीतिक बयानबाजी हो लेकिन मणिपुर में मचे हैवानियत के नंगे नाच से दुनिया भर में कहे-अनकहे जो भी संदेश जा रहा है वह ठीक नहीं है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी स्थानीय जातीय हिंसा में अब तक 258 लोगों ने जान गंवा दी। उससे भी ज्यादा दुखद यह कि कई घटनाओं ने देश-दुनिया को शर्मसार किया। जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा क्षेत्र से 3 महिलाओं और 3 बच्चों का 11 नवंबर को अपहरण हुआ। 15 से 18 नवंबर के बीच उनके शव जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में मिले। इस दौरान अपहृतों के साथ हैवानियत की ऐसी हदें पार की गईं कि पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टर भी सिहर गए। बच्चे के चेहरे पर गोलियां मारीं फिर भी जी नहीं भरा तो पूरे शरीर पर हमला किया। बच्चे की आंखें तक निकाल लीं। छाती पर काटने के निशान मिले। पसलियां टूटी हुई थीं। बाकियों का भी कमोबेश यही हाल रहा। गोलियों से दिल, फेफड़े और पसलियां कट गईं। पेट फट गए। बांहें चीथड़ों में बदल गईं। खोपड़ी को वजन से कुचला गया। हड्डियां चूर-चूर की गईं और मस्तिष्क को क्षत-विक्षत। इसे पुलिस स्टेशन और विधायकों के आवासों पर बड़ा हमला माना गया। भुक्तभोगियों की आपबीती सुनने पर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। लोग खेतों या सुनसान इलाकों में छिपकर जान बचाते रहे तो हमलावर गाडियों में भर-भरकर आते और अंधाधुंध गोलियां बरसा कर जो भी मिलता है मारते, बर्बरता करते और अपहरण कर साथ ले जाते। यह उस मणिपुर की मौजूदा हकीकत है जहां मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग पर 3 मई से जारी ड्ढक्षहसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मणिपुर की लड़ाई जातिगत है जो जनसंख्या आधारित वर्चस्व की भी है। मौजूदा विधानसभा में 60 में 40 विधायक मैतेई समुदाय से हैं और 20 विधायक नागा-कुकी जनजाति से। राजनीतिक लाभ-हानि और प्रभुत्व की लड़ाई में कौन भारी दिखे असल लड़ाई यही है। नागा-कुकी दोनों जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोधी हैं। इनका तर्क है कि पहले ही 60 में से 40 विधानसभा सीटें मैतेई बहुल इंफाल घाटी में हैं। ऐसे में अनुसूचित जनजाति वर्ग में मैतेई को आरक्षण मिलने से उनके अधिकार भी बंट जाएंगे। मैतेई समुदाय की धारणा है कि जब वह बहुसंख्यक हैं तो क्षेत्रीय अखंडता से कैसे समझौता कर लें? वह सोचते हैं कि अपने लिए अगर अलग प्रशासन और व्यवस्थाओं की नीयत रखते हैं तो बुरा क्या है? वहीं कुकी समुदाय भी राजनीतिक प्रभुत्व के वशीभूत होकर मनमाफिक प्रशासन चाहते हैं। मणिपुर की जनसंख्या लगभग 38 लाख है। प्रमुख रूप से तीन समुदाय हैं। मैतेई, नागा और कुकी। मणिपुर में ज्यादातर मैतई हिंदू हैं जिनकी जनसंख्या लगभग 52 से 64.6 प्रतिशत के बीच है। नागा-कुकी ज्यादातर ईसाई धर्म को मानते हैं और अनुसूचित जनजाति वर्ग में आते हैं। इनकी जनसंख्या लगभग 34 प्रतिशत है। लगभग 10 प्रतिशत इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई बहुल तो नागा-कुकी जनसंख्या राज्य के करीब 90 प्रतिशत इलाके में है। हकीकत में आंकड़ों में दिख रही वर्चस्व की यही लड़ाई वहां गुटीय होकर आपसी हिंसा में तबदील हो गई है। उदाहरण हैं कि केन्द्र ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर हर कहीं विद्रोह, विद्रोहियों, नक्सलवाद, आतंकवाद की कमर तोड़ी है। चाहे पंजाब, जम्मू-कश्मीर का आतंकवाद हो या बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, दक्षिण भारत सहित पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों का नक्सलवाद जिसने ऐसी जड़ें जमाई थीं कि तमाम राज्य सरकारों की नाक में दम कर रखा था। हां, मणिपुर हिंसा की तुलना नक्सलवाद, अर्बन नक्सलवाद या उग्रवाद से करना बेमानी होगी। सच्चाई स्वीकारनी होगी कि इसे समझने में या तो देरी हुई या समझ कर भी अनजान रहे? भले ही कहें कि मणिपुर की समस्याएं विरासत में मिली हैं लेकिन हैं तो नासूर। कम से कम पूरे देश में अपना परचम फहराने की मंशा रखने और लगभग कामयाबी हासिल करने वाले दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा को जरूर सोचना होगा कि डबल इंजन की ताकत और 60 में से 37 विधायक होने के बावजूद मणिपुर क्यों सुलग रहा है?

अनिल कपूर ने पूरा किया 'सूबेदार' का शेड्यूल

बॉलीवुड अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' का शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। सोमवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं।
अनिल कपूर ने लिखा भावुक नोट
अभिनेता ने बीटीएस तस्वीरों के साथ एक नोट भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सपनों से हकीकत तक, दृष्टि से निर्माण तक, 'सूबेदार' समर्पण और दिल से आकार लेता है! शेड्यूल पूरा हो गया है, लेकिन जादू अभी शुरू हो रहा है। टीम, जुनून और यात्रा के लिए आभारी हूं।

क्या है फिल्म की कहानी?

'सूबेदार' की अर्जुन मौर्य अनिल कपूर द्वारा अभिनीत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पूर्व सैनिक है। अनिल कपूर का किरदार जैसे-जैसे वह व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों का सामना करता है, उसे अपनी बेटी श्यामा के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों को सुधारना होगा। कभी देश के लिए लड़ने वाले एक सैनिक सूबेदार को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अंदर के दुश्मनों से लड़ना पड़ता है।
फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है और इसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और त्रिवेणी ने मिलकर किया है। फिल्म का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा।

अनिल कपूर का वर्क फंट

अनिल कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में पास 'वॉर 2' है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता के पास यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा' भी है, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

फिल्म जेलर के गाने कवाला से लेकर स्त्री 2 के आज की रात तक में अपनी अदाओं और डांस मूव्स से हर किसी को झूमने पर मजबूर करने वाली ऐक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों चर्चा में हैं, अपनी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में तमन्ना एक ऐसी सिंगल मदर बनी हैं जो हीरों की चोरी के आरोप में फंस जाती है।

डांस ऐसा करो कि दूसरे नाचने पर मजबूर हो जाए

फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का से जुड़ने की खास वजह क्या रही? कैसा अनुभव रहा?

यह फिल्म करने की सबसे बड़ी वजह ये रही कि मुझे नीरज सर की फिल्में हमेशा से बहुत पसंद रही हैं। उनकी फिल्मों में जिस तरह बहुत ही आम लोगों की कहानी होती है, जो बहुत ही अजीब परिस्थिति में पड़ जाते हैं और फिर उन हालातों से वे कैसे जूझते और निकलते हैं, वो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि ये उनकी एक थीम है तो जब मैंने ये स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे लगा कि यह एक अलग दुनिया है और हिंदी फिल्मों में निश्चित तौर पर लोगों ने मुझे अब तक ऐसे रोल में नहीं देखा है। फिर, यह साल बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि बहुत अलग-अलग किस्म की फिल्में आई हैं। ऐसे में, इस तरह की फिल्म के लिए यह एक बेहतरीन समय है। यह एक तेज रफ्तार की हीस्ट थ्रिलर है। आप जैसे-जैसे इन किरदारों की जिंदगी को समझने लगते हैं, उनसे जुड़ते जाते हैं, तो मेरे लिए कुल मिलाकर यह एक बहुत अच्छा अनुभव रहा।

इन दिनों हर तरफ आपके डांस नंबर्स का जलवा है, वो फिर कवाला हो या आज की रात, हर कोई इन पर झूम रहा है। आपके लिए डांस क्या है?

डांस से मेरा रिश्ता बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि मैंने डांस सीखा नहीं है। मैं ट्रेंड डांसर नहीं रही हूं। मैं कभी डांस स्कूल नहीं गई। मैंने सेट पर ही डांस सीखा है तो मैं अपने डांस का श्रेय उन सभी कोरियोग्राफर्स को देना चाहूंगी, जिनसे मैंने सीखा। प्रभु देवा सर, राज सुंदरम सर, प्रेम रक्षित सर, वृंदा मैम और साउथ के बहुत सारे कोरियोग्राफर्स ही मेरे टीचर रहे हैं। उन्होंने मुझे फिल्म डांस समझने में काफी मदद की, क्योंकि फिल्म डांस बाकी से काफी अलग होता है। मेरा मानना है कि डांस शो ऑफ करने की चीज नहीं है कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं। डांस ऐसा होना चाहिए कि उसे देखकर दूसरे का मन भी नाचने के लिए मचल जाए। मेरी कोशिश कभी ये नहीं होती कि देखो, मैं कितने मुश्किल स्टेप कर सकती हूं, मेरी कोशिश यही रहती है कि जब कोई मेरी ओर देखे और उसे मेरे अंदर की मस्ती या कोई एक्सप्रेशन पसंद आ जाए और उनका मन भी डांस करने का कर जाए और शायद इसीलिए लोग उससे कनेक्ट करते हैं।

विक्रांत मैसी के सिनेमा से ब्रेक पर बोले हर्षवर्धन राणे

विक्रांत मौसी ने सोमवार को अपने फिल्मी करियर से ब्रेक लेने की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर की इस घोषणा के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में आ गए हैं। विक्रांत को विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वी फेल से पहचान मिली, इन दिनों वे द साबरमती रिपोर्ट में नजर आ रहे हैं। विक्रांत के इस एलान के बाद लोग तरह- तरह के कयास लगा रहे हैं। खबरों की मानें तो लोग विक्रांत मैसी के करियर को लेकर चर्चा कर रहे हैं, कहीं ये पीआर स्टंट तो नहीं है।
ये एक अस्थायी ब्रेक हो सकता है। ये हमेशा का रिटायरमेंट है या नहीं इसे लेकर संशय बना हुआ है। ये किसी अन्य प्रोजेक्ट को लेकर कोई रणनीति तो नहीं है। इसको लेकर विक्रांत मैसी के सह कलाकार हर्ष वर्धन राणे ने कुछ बातें रखी हैं। हर्षवर्धन राणे ने कहा कि ये पीआर एक्टिविटी हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विक्रांत बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की तरह फिल्में बनाना शुरू कर देंगे। हर्षवर्धन ने कहा विक्रांत सुलझे हुए और स्पष्ट व्यक्ति हैं। विक्रांत मैसी के काम के तरीके का मैं हमेशा सम्मान करता हूं। मैं आशा करता हूं कि यह किसी फिल्म निर्माता द्वारा उन पर थोपी गई कोई पीआर गतिविधि हो।

बॉयफ्रेंड एंटनी के साथ दो वेडिंग सेरेमनी करेंगी कीर्ति सुरेश

कुछ दिन पहले अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अपने माता-पिता के साथ आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थिति श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंची थी। यहां उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। जब वह मंदिर के बाहर आई तो उन्होंने मीडिया को बताया कि वह अपनी अगली फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लेने आई, साथ ही दिसंबर महीने में उनकी गोवा में शादी है। इस तरह से कीर्ति सुरेश ने अपनी होने वाली शादी की बात को कंफर्म कर दिया था। अब खबर है कि वह दो तरह से शादी करेंगी यानी फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिलेंगी।

हिंदू-क्रिशियन वेडिंग होगी

कीर्ति धर्म से हिंदू हैं और एंटनी क्रिशियन, यही कारण है कि दोनों अपने-अपने धर्मों के रीति-रिवाज से शादी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 12 दिसंबर 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। सुबह हिंदू रीति से शादी होगी और उसी दिन शाम को क्रिशियन रीति से कीर्ति और एंटनी शादी करेंगे। इस तरह से कीर्ति के फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिल सकती हैं। वह दो तरह के दुल्हन के गेटअप में नजर आएंगी। कीर्ति सुरेश बॉयफ्रेंड एंटनी को लगभग 15 साल से डेट कर रही हैं। उन्होंने अब तक अपने रिश्ते को दुनिया के सामने जाहिर नहीं किया। कुछ दिन पहले ही एंटनी के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली जिसमें अपने इतने लंबे साथ की बात को बयां किया था। अब इन दोनों के प्यार को मंजिल मिल गई, दोनों दिसंबर में गोवा में शादी कर रहे हैं। कीर्ति सुरेश एक तरफ अपनी शादी में व्यस्त हैं। वहीं वह अपनी आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर भी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता वरुण धवन की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को वह यादगार भी बताती हैं।

शादी के बाद शोबिज को अलविदा कह देंगी शोभिता धुलिपाला? नागा चैतन्य ने बताई सच्चाई

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला के वेडिंग फंक्शन जोरो-शोरों से जारी हैं। कुछ सालों की डेटिंग के बाद नागा और शोभिता ने शादी कर हमेशा साथ रहने का फैसला कर लिया है। इसी कड़ी में नागा ने अपने हालिया इंटरव्यू में शादी को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने उस सवाल का भी जवाब दिया जो सभी प्रशंसकों के मन में है कि क्या शोभिता अपनी शादी के

नागा ने दी प्रतिकिया

इंटरव्यू के दौरान जब नागा चैतन्य से पूछा गया कि क्या शोभिता उनकी तरह फिल्मों में अपना करियर जारी रखेंगी, तो बिना किसी हिचकिचाहट के नागा ने कहा, हां, बिल्कुल। अभिनेता ने अपने कबूलनामे के बाद हर प्रशंसक के संदेह को दूर कर दिया और नेटिजन्स यह सुनकर खुश होंगे कि इतने प्रभावशाली फिल्मी परिवार में शादी के बाद भी उन्हें शोभिता की जादुई स्क्रीन उपस्थिति का अनुभव मिलेगा। उसी इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला के परिवार के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, प्रत्येक तेलुगु घराने की तरह, शोभिता का परिवार भी बहुत सम्मानित और प्यारा है। मेरे साथ बेटे की तरह व्यवहार किया जाता है। नागा चैतन्य ने आगे कहा, शुरू से ही बहुत आराम और कई चीजें समान

रही हैं। शोभिता एक पारिवारिक लड़की हैं, और हमारे पास सब कुछ है उन्होंने कुछ त्यौहार भी एक साथ मनाए, मुझे यकीन है कि समय के साथ हमारा बंधन और भी मजबूत होगा।

नागा-शोभिता का वर्कफंट

नागा चैतन्य का अगला प्रोजेक्ट थंडेल है, जो 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाला है। एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट भी है जिसका वह हिस्सा हैं। दूसरी ओर, शोभिता को आखिरी बार लव, सितारा और एमी-नामांकित शो द नाइट मैनेजर में देखा गया था।

शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी

कंतारा स्टार ऋषभ शेट्टी ने निर्देशक संदीप सिंह की आगामी ऐतिहासिक ड्रामा द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया जा चुका है, जिसमें शिवाजी महाराज के किरदार में ऋषभ शेट्टी को देखकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने इस ऐतिहासिक फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर कुछ ही देर पहले ऋषभ शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है, जिसे लेकर कंतारा स्टार ऋषभ के प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं।

बतौर निर्देशक संदीप की ये दूसरी फिल्म है। ऋषभ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, हमारा सम्मान और विशेषाधिकार, भारत के महानतम योद्धा राजा - भारत के गौरव की महाकाव्य गाथा प्रस्तुत है। इसके साथ ही ऋषभ ने बताया कि फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

शिवाजी की बायोपिक

शिवाजी की बायोपिक निर्देशक के तौर पर यह संदीप की पहली फीचर फिल्म होगी। इस प्रोडक्शन में महान योद्धा राजा की कहानी को पर्दे पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय तकनीकी और बेहतरीन ग्रॉफिक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी निर्देशक संदीप की फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाना शब्दों से परे सम्मान की बात है। वे एक राष्ट्रीय नायक हैं जिनका प्रभाव इतिहास से परे है और मुझे उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाने में बहुत गर्व महसूस होगा।

फिल्म को लेकर संदीप सिंह का बयान

संदीप सिंह ने टोरंटो टाइटल, बॉक्सिंग बायोपिक मैरी कॉम में उन्होंने सह-निर्माता के रूप में काम किया। इसके अलावा संदीप ने अलीगढ़ और स्लम सॉकर फिल्म झुंड सहित कई फिल्मों का निर्माण किया है। संदीप ने बायोपिक पीएम नरेंद्र मोदी और बायोपिक मैं अटल हूं और स्वातंत्र्य वीर सावरकर का निर्माण किया है। संदीप सिंह ने कहा, ऋषभ शेट्टी इस भूमिका के लिए मेरी पहली और एकमात्र पसंद थे। ऋषभ वाकई में छत्रपति शिवाजी महाराज की ताकत, भावना और वीरता का प्रतीक हैं। यह फिल्म कई सालों से मेरा सपना रही है और इस कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है।

फिल्म जी ले जरा को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

फरहान अख्तर ने साल 2021 में फिल्म जी ले जरा का एलान किया था। उन्होंने यह भी साझा किया था कि फिल्म में आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में होंगी। इतना ही नहीं प्रियंका चोपड़ा भी जी ले जरा का हिस्सा हैं। हालांकि, एलान के बाद से फिल्म पर कोई बड़ा अपडेट सामने नहीं आया है। वहीं, अब इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका ने कहा, आपको इस बारे में एक्सेल एंटरटेनमेंट से बात करनी होगी। प्रियंका ने बॉलीवुड में अपनी वापसी का संकेत देते हुए खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माताओं से मिल रही हैं और स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा में तीन नयी रेलवे लाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ओडिशा में तीन नयी रेलवे लाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी। राष्ट्रपति मुर्मू ने बांगिरीपोषी-गोरुमाहिषानी, बुढ़ामरा-चाकुलिया और बादामपहाड़- केन्दुझरगढ़ रेलवे लाइन परियोजना की आधारशिला रखी और इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम सहित अन्य भी मौजूद रहे। रेलवे ने बताया कि नयी लाइन रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने में मदद करेंगी और क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करेंगी, जिससे आदिवासी बहुल क्योंझर और मयूरभंज जिलों में संपर्क बढ़ेगा। नयी लाइनें खनिज समृद्ध क्षेत्रों से कच्चे माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति ने ऑनलाइन माध्यम से रायरंगपुर में तीन अन्य परियोजनाओं - जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, डांड़बोस हवाई अड्डा और एक उप-मंडल अस्पताल की भी आधारशिला रखी।

मायावती ने सुरेंद्र सागर को पार्टी से किया निष्कासित

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने एक अजीब कदम उठाते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सागर को निष्कासित कर दिया है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र सागर ने अपने बेटे की शादी सपा विधायक की बेटी से कर दी थी।

सुरेंद्र के बेटे अंकुर की शादी सपा विधायक त्रिभुवन दत्त की बेटी कुसुम दत्त से हुई। बसपा के बरेली मंडल में एक प्रमुख व्यक्ति सुरेंद्र सागर पांच बार रामपुर के जिला अध्यक्ष रहे और कैबिनेट मंत्री के बराबर पद पर रहे। जबकि, बसपा के पूर्व विधायक त्रिभुवन दत्त अब अंबेडकर नगर के अलापुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के दत्त के आवास पर जाने के बाद शादी ने और अधिक ध्यान आकर्षित किया था। हालाँकि, पार्टी ने सागर के निष्कासन के लिए पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासन का हवाला दिया। पार्टी के आरोपों के जवाब में सुरेंद्र सागर ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि उनकी गलती सिर्फ इतनी थी कि उनके बेटे की शादी सपा नेता के परिवार में हुई थी।

विशेष सत्र में शपथ नहीं लेंगे शिवसेना (यूबीटी) के विधायक

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी के विजेता विधायक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के बारे में संदेह का हवाला देते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान शपथ नहीं लेंगे।

2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की जीत की वैधता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर यह वास्तव में लोगों का जनादेश था, तो जश्न मनाया गया होता, लेकिन कोई भी नहीं देखा गया। महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र शनिवार को नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के साथ शुरू हुआ। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस समेत उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने विधायक पद की शपथ ली। एजेंडे में नए अध्यक्ष का चुनाव और 16 से 21 दिसंबर तक नागपुर में होने वाले शीतकालीन सत्र के लिए विधायी रूपरेखा तय करना शामिल है।

कौन होगा ममता बनर्जी का उत्तराधिकारी?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता के रूप में उनके उत्तराधिकारी पर निर्णय पार्टी के सभी सदस्यों द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी नहीं हूं।

उन्होंने एक स्थानीय न्यूज मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम एक अनुशासित पार्टी हैं जहां कोई भी व्यक्ति शर्तें तय नहीं करेगा। पार्टी तय करेगी कि लोगों के लिए सबसे अच्छा क्या है। हमारे पास विधायक, सांसद, बूथ कार्यकर्ता हैं। यह एक संयुक्त प्रयास है। बनर्जी ने कहा कि मैं पार्टी नहीं हूं। हम पार्टी है। यह एक सामूहिक परिवार है और निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आगे कहा कि हालांकि हर कोई महत्वपूर्ण है, आज का नवागंतुक कल का अनुभवी होगा। मुख्यमंत्री का बयान ऐसे समय आया है जब टीएमसी के वरिष्ठ और अपेक्षाकृत युवा नेताओं के बीच अनबन की खबरें आ रही थीं। जहां पहले वाले समूह को बनर्जी के प्रति वफादार माना जाता है, वहीं दूसरे खेमे के लोग कथित तौर पर उनके भतीजे अभिषेक की।

बेनामी संपत्ति मामले में अजित पवार को बड़ी राहत

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बड़ी राहत देते हुए आयकर (आईटी) विभाग ने 2021 में जब्त की गई 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त की हैं।

यह कदम बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा उन पर और उनके परिवार पर बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज करने के बाद उठाया गया है। यह फैसला अजित पवार द्वारा उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद आया है, जब देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में शिवसेना के एकनाथ शिंदे के साथ अजित पवार ने शपथ ली थी। इस मामले में सतारा में एक चीनी मिल, दिल्ली में एक फ्लैट और गोवा में एक रिसॉर्ट सहित कई संपत्तियां जब्त की गई थीं। हालांकि, न्यायाधिकरण ने पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देते हुए आरोपों को खारिज कर दिया। यह कहते हुए कि संपत्तियों का भुगतान वैध वित्तीय मार्गों का उपयोग करके किया गया था।

समाजवादी पार्टी ने एमवीए गठबंधन से खुद को किया बाहर

■ **महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी को लगा बड़ा झटका**

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन में दरारें पड़नी शुरू हो गई हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल समाजवादी पार्टी ने अब गठबंधन छोड़ने का फैसला कर लिया है। महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबु आजमी ने शनिवार को कहा कि शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे के बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर रुख के चलते उनकी पार्टी ने एमवीए को छोड़ने का निर्णय किया है।

सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबु आजमी ने एमवीए छोड़ने के फैसले पर कहा, शिवसेना-यूबीटी की तरफ से अखबार में एक विज्ञापन दिया गया था जिसमें बाबरी मस्जिद के विध्वंस में शामिल लोगों को बधाई दी गई थी। उनके

(उद्धव ठाकरे के) करीबियों ने इसे एक्स पर भी पोस्ट किया और मस्जिद के गिराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इसलिए हम महा विकास अघाड़ी छोड़ रहे हैं। मैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात कर रहा हूं।

बता दें कि शिवसेना-यूबीटी के नेता मिलिंद नार्वेकर ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें बाल ठाकरे का वक्तव्य- जिन्होंने ये किया मुझे उन पर गर्व है भी शामिल था। शिवसेना सचिव ने इसके साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अपनी तस्वीर भी इस पोस्ट में इस्तेमाल की थी। इस पर अबु आजमी ने कहा कि अगर महा विकास अघाड़ी में कोई इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है तो उनमें और भाजपा में क्या फर्क रह जाता है? आखिर हम उनके साथ क्यों रहें?

गौरतलब है कि सपा की महा विकास अघाड़ी गठबंधन से इस दूरी की नींव विधानसभा चुनाव से पहले ही पड़ गई थी। दरअसल, तब एमवीए की तरफ से उम्मीदवारों के चयन से समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी ने नाराजगी जाहिर की थी और अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि वे समाजवादी पार्टी को सीटें नहीं देना चाहते हैं। मैं नहीं चाहता कि एमवीए टूटे और वोट बंटें, लेकिन अगर वे हमारी बात नहीं सुनते हैं तो हमारे पास अकेले चुनाव लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने एमवीए के स्थापित दलों की मौजूदगी के बावजूद चुनाव लड़ा और दो सीटों- भिवंडी ईस्ट और मानखुर्द शिवाजी नगर सीट पर जीत हासिल की। भिवंडी ईस्ट से सपा के रईस कसम शेख जीते। वहीं, मानखुर्द शिवाजी नगर से महाराष्ट्र सपा के प्रमुख अबु आजमी ने जीत का परचम लहराया।

बता दें कि महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत हासिल हुई। राज्य की 288 सीटों वाली विधानसभा में महायुति को 230 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी सिर्फ 46 सीटें ही हासिल कर पाई। एमवीए में शिवसेना-यूबीटी 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली। वहीं, राकांपा (एसपी) को महज 10 सीट पर ही जीत हासिल हुई।

सरकार समाज के हर वर्ग को स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने स्कूली शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुलभ बनाने के लिए एक और बड़ा फैसला लेते हुए 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि इस कदम से जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, वहीं रोजगार के कई नए अवसर भी पैदा होंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, स्कूली शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुलभ बनाने के लिए हमारी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत देशभर में 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोले जाएंगे। इस कदम से जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ होगा, वहीं रोजगार के भी बहुत सारे नए अवसर बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप समाज के हर वर्ग को स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्कूली शिक्षा समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी कड़ी में हमारी सरकार ने देशभर में 28 नए नवोदय विद्यालयों को मंजूरी दी है। इससे आवासीय और गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा का बड़े दायरे में विस्तार होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार देश भर में संपर्कता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने कहा, इसी दिशा में हमारी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के तहत रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को स्वीकृति दी है। इससे दिल्ली-हरियाणा के बीच आना-जाना और आसान होगा।

महाराष्ट्र में तीन दिवसीय विशेष सत्र की शुरुआत

■ **प्रोटेम स्पीकर ने विधायकों को दिलाई शपथ**

मुंबई। 15वें महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र शनिवार से आहूत किया गया। भाजपा विधायक कोलंबकर ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में महाराष्ट्र के अन्य सभी विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से राज्य की दूसरी राजधानी नागपुर में शुरू होगा।

इससे पहले वरिष्ठ भाजपा विधायक कालिदास कोलंबकर ने नवनिर्वाचित सदन के विशेष सत्र से एक दिन पहले शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली थी। नौ बार विधायक रहे कोलंबकर को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने दक्षिण मुंबई स्थित राजभवन में पद की शपथ दिलाई थी। कोलंबकर नए सदन में सबसे वरिष्ठ विधायक हैं। पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुंबई की वडाला सीट से जीत हासिल की। कोलंबकर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान नियमित अध्यक्ष के चुनाव की अध्यक्षता भी करेंगे। स्पीकर का चुनाव 9 दिसंबर को होगा और इसके बाद देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार विश्वास मत हासिल करेगी। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 11 या 12 दिसंबर को होने की संभावना है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया, संभावना है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा वित्त विभाग और भाजपा गृह विभाग अपने पास रखेगी। शिवसेना सूत्रों की मानें तो शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को शहरी विकास मंत्रालय और राजस्व विभाग मिल सकता है।

शिवराज सिंह चौहान के एक वादे पर जगदीप धनखड़ ने की खूब तारीफ

■ **किसानों के लाडले भाई का दिया नाम**

नई दिल्ली। किसानों से किए गए वादे पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से सार्वजनिक रूप से सवाल करने के तीन दिन बाद, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नेराज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह किसानों के लाडले बनेंगे। मंगलवार को मुंबई में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानके शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने मंत्री से पूछा कि क्या आंदोलनकारी किसानों से कोई वादा किया गया था और यदि हां, तो इसे पूरा क्यों नहीं किया गया।

चौहान, जो धनखड़ के साथ मंच पर थे, ने उनसे पहले बात की थी।

शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जब चौहान अपने मंत्रालय से संबंधित सवालों का जवाब दे रहे थे, तब धनखड़ ने मुंबई की घटना का जिक्र किया। धनखड़ ने मध्य प्रदेश में चौहान सरकार द्वारा शुरू की गई लाडली बहना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां और वापसी के रास्ते में मंत्री मेरे साथ थे। मैंने मंत्री जी से कहा, मुझे विश्वास है कि जिस आदमी की पहचान लाडली से है, वह अब किसानों का लाडला बनेगा। अपने नाम के अनुरूप ऊर्जावान मंत्री, शिवराज, यह करेंगे। पिछले सप्ताह से, धनखड़ ने किसानों के मुद्दों के बारे में बात की है, जो दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सभी कृषि उपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। उच्च सदन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान ने प्रश्नकाल के दौरान किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह आश्वासन दिया। मंत्री ने यह आश्वासन उस दिन दिया जब किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली तक पैदल मार्च करने की योजना बना रहे हैं। चौहान ने सदन को बताया कि मैं आपके (सभापति के) माध्यम से सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसानों की सभी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। यह मोदी सरकार है और मोदी की गारंटी को पूरा करने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जब दूसरी तरफ के हमारे मित्र सत्ता में थे तो उन्होंने रिकॉर्ड पर कहा था कि वे एम एस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार नहीं कर सकते, खासकर उपज की लागत से 50 प्रतिशत अधिक देने की बात। मेरे पास रिकॉर्ड है। चौहान ने उन्होंने अपने दावे के समर्थन में पूर्व कृषि राज्य मंत्री कांतिलाल भूरिया, कृषि मंत्री शरद पवार और के वी थॉमस का हवाला दिया।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत ने दूसरी पारी में 128 रन पर गंवाए पांच विकेट

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेला जा रहा दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में खराब रही और टीम ने 128 रन पर अपने पांच विकेट गंवा दिए। भारतीय टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 29 रन पीछे है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 28 रन और नीतीश रेड्डी 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क को एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की ओपनिंग जोड़ी विफल रही और टीम को मजबूत शुरुआत नहीं दिला सकी। सबसे पहले राहुल आउट हुए जिन्हें कमिंस ने सात रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। फिर बोलैंड ने यशस्वी (24) और विराट कोहली (11) को आउट कर भारत को दोहरा झटका दिया। शुभमन गिल भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और उन्हें 28 रन के स्कोर पर स्टार्क ने बोल्ड किया। कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म दूसरी पारी में भी जारी रही जो कमिंस की गेंद पर छह रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। इस लिहाज से ऑस्ट्रेलिया को 157 रन की बढ़त हासिल है। ट्रेविस हेड ने 140 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने चार-चार विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को एक विकेट पर 86 रन से आगे खेलना शुरू किया और 251 रन बनाने में आखिरी के नौ विकेट गंवा दिए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

एलईएसएस में टैक्स बचत के साथ तगड़ा रिटर्न

नई दिल्ली। टैक्स सेविंग के साथ अच्छे रिटर्न के लिए निवेश का ऑप्शन तलाश रहे हैं तो म्युचुअल फंड की इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (एलईएसएस) एक बेहतर योजना हो सकती है।

म्युचुअल फंड की इस स्कीम में एक वित्त वर्ष में 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर सेक्शन 80सी के अंतर्गत टैक्स डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। वहीं, एलईएसएस में टॉप परफॉर्मिंग स्कीम्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखें तो यह पारंपरिक निवेश के विकल्पों जैसे कि एफडी, आरडी, पीपीएफ या पोस्ट ऑफिस स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज के मुकाबले काफी बेहतर है। एलईएसएस के टॉप पांच फंड्स ने बीते तीन साल में औसतन 21-28 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है। हालांकि, इस स्कीम में 3 साल का लॉक-इन होता है।

10 वर्षों में भारत के निर्यात में 67% की वृद्धि हासिल की

नई दिल्ली। भारत के निर्यात प्रदर्शन में पिछले दशक के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग और विश्वसनीयता को दर्शाती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि 2013-14 में 466 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में भारत का कुल निर्यात लगभग 778 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 67% की वृद्धि को दर्शाता है। विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 1.66 प्रतिशत से बढ़कर 1.81 प्रतिशत हो गई है। भारत की रैंकिंग वैश्विक निर्यात में 20वें स्थान से 17वें स्थान पर पहुंच गई है। अप्रैल 2023 में लागू इस नीति ने व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाते हुए निर्यात बढ़ाने का रोडमैप तैयार किया। दिसंबर 2024 तक विस्तारित इस योजना के तहत निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया 15 हजार करोड़ का आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली। कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने अपना आईपीओ लाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए भारतीय बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। यह आईपीओ 1.8 बिलियन डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का होगा, जो भारत में अब तक का चौथा सबसे बड़ा और किसी कोरियाई कंपनी का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया में 15% हिस्सेदारी बेचकर आईपीओ के जरिए 15 हजार करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ दस्तावेजों से पता चला है कि कोरियाई मूल कंपनी ऑफर के जरिए करीब 10.2 करोड़ शेयर बेचने का प्रस्ताव कर रही है। एलजी का यह आईपीओ देश का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। वहीं किसी कोरियाई कंपनी का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। कोरियाई कंपनी हुंडई इसी साल देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी।

एक लाख के पार जा सकता है सेंसेक्स : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली। मशहूर ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने भारतीय शेयर बाजार के लिए एक उत्साहजनक भविष्यवाणी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीएसई सेंसेक्स 2025 तक उभरते बाजारों में सबसे अच्छा प्रदर्शन कर सकता है और अगले एक साल में 1,05,000 अंक तक पहुंचने की संभावना है। यह अनुमान भारत की मजबूत आर्थिक स्थिरता और बढ़ती आय वृद्धि पर आधारित है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, बेस केस में सेंसेक्स 93,000 अंक तक जा सकता है, जो मौजूदा स्तर से 14% की वृद्धि को दिखाता है। वहीं, बुल केस की स्थिति में यह सूचकांक 1,05,000 अंक तक पहुंचने की संभावना है। यह अनुमान देश की स्थिर आर्थिक स्थिति, मजबूत नीतिगत माहौल और उच्च निवेश प्रवाह पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 तक सेंसेक्स की आय में सालाना 17% की वृद्धि हो सकती है।

सहकारी क्षेत्र में सुधार से होगा तेज विकास

प्रहलाद सबनानी

विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया है और अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत पिछली सदी?में हुई एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु ऐसी सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। सहकारिता आंदोलन को जिस तरह सफल होना चाहिए था, वैसा नहीं हुआ। देश की अर्थव्यवस्था को यदि पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, तो सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा।

देश में करीब एक लाख महिला सहकारी साख समितियां हैं। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। विभिन क्षेत्रों में कार्यरत उक्त सहकारी समितियों के अतिरिक्त सहकारी बैंक भी हैं।

सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा, जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। ग्रामीण इलाकों

में कार्य कर रहे बैंकों को अब नए व्यवसाय मॉडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। अत: देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।

गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी रोका जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार, देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख-रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किए जा रहे हैं, उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो, इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें, ऐसी व्यवस्था की जा सकती है। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। %सहकारिता से विकास% का मंत्र पूरे भारत में सफलतापूर्वक लागू होने से गरीब, किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

भाजपा रायपुर शहर जिला में आज से होंगे 20 मंडल चार नए मंडल अस्तित्व में : पटेल

भाजपा संगठन पर्व के तहत जिला संगठन चुनाव कार्यशाला का आयोजन एकात्म परिसर में संपन्न

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन पर्व का आयोजन करती रही है इसी तारतम्य में भाजपा अपना संगठन चुनाव आयोजित कर रही है आज जिला संगठन चुनाव हेतु विस्तृत कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय एकात्म परिसर में किया गया जहां विशेष रूप से आज प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी शिवरतन शर्मा और प्रदेश महामंत्री भाजपा संजय श्रीवास्तव , पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल और ग्रामीण विधायक मोतीला साहू सहित तमाम वरिष्ठ भाजपा नेताओ ने कार्यशाला में उपस्थित रायपुर शहर जिला के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन चुनाव के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया ।

जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन में उपस्थित सम्मानित नेताओं ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन किया गया उसके पश्चात संगठन गीत लिया गया , उसके पश्चात जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया उन्होंने अपने उद्बोधन में संगठन पर्व के तहत अपने जिला द्वारा किए गए कार्यों का वृत्त रखा जिसमें उन्होंने बताया कि जिला भाजपा को प्रदेश से प्राप्त प्राथमिक सदस्य के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए अपेक्षा से अधिक प्राथमिक सदस्य बनाए गए प्राथमिक सदस्यता अभियान के तहत रायपुर शहर जिला द्वारा रिकॉर्ड 3 लाख से अधिक प्राथमिक सदस्यों का निर्माण किया गया है साथ ही सक्रिय सदस्य भी गत सदस्यता अभियान से अधिक बनाए गए हैं जिनकी संख्या 3600 से अधिक है प्रत्येक मंडल से 200 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं वहीं जिला अध्यक्ष ने एक और विशिष्ट जानकारी भी उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ साझा की उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रदेश संगठन से हमने रायपुर में मंडलों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था जिसे प्रदेश संगठन द्वारा स्वीकार्य कर लिया गया है और अब रायपुर शहर जिला में 16 की जगह 20 मंडल होंगे रायपुर शहर जिला में 4 नए मंडलों को शामिल किया गया है मां बंजारी मंडल , मोवा मंडल , टाटीबंध मंडल और भाटागांव मंडल आज से तत्काल प्रभाव में अस्तित्व में आ जाएंगे साथ ही रामसागर पारा मंडल का नाम अब रामनगर मंडल के नाम से जाना जाएगा । उन्होंने आगे कहा आप सभी के द्वारा किए गए अथक परिश्रम से के बल पर हमने प्राथमिक और सक्रिय सदस्य के लक्ष्य को प्राप्त किया इसके लिए रायपुर शहर जिला का एक एक कार्यकर्ता बधाई का पात्र है और अब संगठन चुनाव की शुरुआत हो चुकी है जिसमें बूथ अध्यक्षों का निर्माण कर संगठन चुनाव का प्रथम चरण पूर्ण हो चुका है और अब द्वितीय चरण हेतु कार्यशाला का आयोजन आज किया जा रहा है आगे हमारे वरिष्ठ नेताओं द्वारा संगठन चुनाव के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करेंगे ।

संगठन चुनाव रायपुर सहप्रभारी राजीव अग्रवाल द्वारा कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन चुनाव संबंधित विस्तृत जानकारी को वृत्त की तरह रखा उन्होंने मंडल वार बूथ समिति निर्माण का आंकड़ा रखा उन्होंने जिन मंडलों द्वारा अपना लक्ष्य प्राप्त किया गया उन्हें बधाई प्रेषित की एवं जिन मंडलों का काम अभी पूर्ण नहीं हुआ उन्हें शीघ्र पूर्ण का निर्देश दिया ।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया उन्होंने कहा कि संगठन चुनाव भाजपा की राजनीति का मजबूत आधार स्तंभ है और इसी निष्पक्ष प्रक्रिया के बल पर भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है आप सभी को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए तय सीमा तक पूर्ण करना है इस प्रक्रिया के माध्यम से क्रमशः बूथ द्वारा मंडल अध्यक्ष , मंडल अध्यक्षों द्वारा जिला और जिला अध्यक्षों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा जिसके पश्चात हमे नए राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलेंगे अतः हम सभी को तय समय सीमा पर संगठन चुनाव पूर्ण करवाने अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन आवश्यक है ।

रायपुर शहर जिला के संगठन चुनाव प्रभारी शिवरतन शर्मा ने कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन चुनाव के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया उन्होंने कहा कि आप सभी राजधानी रायपुर के कार्यकर्ता हैं।

सैनिकों के शौर्य और बलिदानों के कारण ही आज हम स्वतंत्र और सुरक्षित हैं : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर शहीदों और देश की सेवा में जुटे सभी सैनिकों को नमन करते हुए कहा है कि यह दिन हमें अपने देश के उन वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र हैं और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से देश की सेनाओं, भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में अधिक से अधिक योगदान करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सशस्त्र झंडा सेना दिवस हमें याद दिलाता है कि हम अपने वीर-जवानों के परिवारों और पूर्व सैनिकों के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आप सभी झंडा-दिवस में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं। झंडा-दिवस पर जो भी धनराशि एकत्रित की जाती है, वह हमारे सैनिकों और उनके परिवारों की कल्याण योजनाओं में काम आती है। आप सबसे मेरा आग्रह है कि आप भी इसमें सहभागी बनें और राष्ट्र-सेवा में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री साय से सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर संचालक, सैनिक कल्याण छत्तीसगढ़, ब्रिगेडियर श्री विवेक शर्मा ने उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें लेपल पिन लगाकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

जोगी का प्रलाप साम्प्रदायिक मानसिकता का शर्मनाक उदाहरण है : अमित साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू ने ईसाई प्रचारकों के कार्यक्रम रद्द होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव के खिलाफ अनर्गल प्रलाप करने के लिए जोगी कांग्रेस के पूर्व विधायक अमित जोगी पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर पोस्ट करके जोगी द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार को साम्प्रदायिक बताने पर श्री साहू ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि यह प्रलाप जोगी कांग्रेस की साम्प्रदायिक मानसिकता का शर्मनाक उदाहरण है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता साहू ने जोगी पर पलटवार करते हुए कहा कि ईसाई मिशनरियों ने छत्तीसगढ़ को अपने धर्मांतरण के एजेंडे के बेहद मुफीद मान रखा है और यहाँ आकर वे भोले-भाले जनजातीय समाज सहित गरीब और जरूरतमंदों का प्रलोभन आदि हथकण्डे अपनाकर जबरिया धर्मांतरण करा रहे थे। कांग्रेस के साम्प्रदायिक तुष्टीकरण के एजेंडे ने इन मिशनरियों को संरक्षण दे रखा था। लेकिन भाजपा इस तरह के जबरिया और प्रलोभन आदि हथकण्डों के जरिए धर्मांतरण की सदैव मुखालफत करती रही है। श्री साहू ने कहा कि हिन्दू रक्षा मंच और विश्व हिन्दू परिषद ने जनजातीय समाज के अस्तित्व रक्षा तथा सुदूर क्षेत्रों में धर्मांतरण के चलते हो रहे जनसांख्यिकीय असंतुलन से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न हो रहे खतरों के अलावा जनजातीय समाज में ही बढ़ते जा रहे वर्ग संघर्ष को गंभीरता से लिया है और उस दिशा में कार्यरत है। प्रदेश सरकार इन तमाम पहलुओं पर नजर रखे हुए है ताकि अप्रिय स्थिति न बने।

निधन

रामकांत अग्रवाल

श्रीराम प्रिंटर्स एवं स्टेशनर्स के संचालक श्री रमाकांत (छोटू) अग्रवाल (सुपुत्र - स्व. श्री धरम अग्रवाल जी) का 46 वर्ष की आयु में हैदराबाद में दुःखद निधन हो गया है।

उनकी अंतिम यात्रा कल 8 दिसंबर 2024, को प्रातः 11.30 बजे उनके निवास स्थान राजीव नगर से मारवाड़ी मुक्तिधाम जाएगी। शोकाकुल- डॉ प्रहलाद अग्रवाल (बड़े पापा), श्रीकांत (बबलू) बड़े भाई, मणीकांत (नानू) छोटे भाई, श्रीमती पूजा (पत्नी), जयश्री-आकाश अग्रवाल (बहन-जीजाजी), अंशुल (पुत्र)

कांग्रेस में फेरबदल की बातें हार का ठीकरा फोड़ने के लिए मत्था तलाशे जाने की कवायद भर हैः गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा है कि विधानसभा, लोकसभा और अब रायपुर दक्षिण के उपचुनाव में अपनी राजनीतिक हैसियत की दुर्गति करा चुकी कांग्रेस के नेता अब भी आत्मचिंतन करने के बजाय एक तरफ भाजपा और प्रदेश सरकार को लेकर ऊलजलूल बयानबाजी करके 'खाली समय में' कांग्रेसी नित-नई जुमलेबाजी करके हास्यास्पद प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हार की जिम्मेदारी लेने या जिम्मेदारी तय करने का साहस दिखाने के बजाय के बजाय अब भी नित-नए शिगूफे छोड़ने में लगी है। श्री गुप्ता ने कांग्रेस में संगठन को मजबूत करने और निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाने की चल रही कवायद पर तंज कसते हुए कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद भी कांग्रेस के नेता इसी तरह गाल बजाते रहे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि जिस कांग्रेस में एक खानदान की चरण-वंदना ही कुलजमा राजनीतिक पूंजी मानी जाती रही है, वहाँ संगठन की बातें बेमानी लगती हैं। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार, षड्यंत्र और आपराधिक ट्रैक रिकॉर्ड ही संगठन में सक्रियता और पदाधिकारी बनने का मापदंड बन गया हो, तो फिर कांग्रेस में निष्क्रियता का कौन-सा मापदंड तय किया जाएगा? क्या सक्रियता और निष्क्रियता का मापदंड सिर्फ कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के लिए ही होगा? उन राज्यसभा सांसदों की जवाबदेही कौन तय करेगा, जिनको अन्य प्रदेशों का होने के बावजूद छत्तीसगढ़ के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हक मारकर खानदान की चाटुकारिता के मापदंड पर छत्तीसगढ़ से चुनकर भेजा गया और सांसद बनने के बाद उनमें से किसी ने छत्तीसगढ़ की सुध लेना तक जरूरी नहीं समझा! इससे अधिक शर्मनाक कांग्रेस के लिए और क्या हो सकता था कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की कथित न्याय पदयात्रा में कांग्रेस के इनमें से किसी भी सांसद ने चेहरा तक दिखाने की जरूरत नहीं समझी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के ऐतिहासिक जनादेश से सत्ता से बेदखल हो चुकी कांग्रेस के लोग अपनी पार्टी के घमासान को तो आज तक थाम नहीं पा रहे हैं। अभी हाल ही बिलासपुर में प्रदेश अध्यक्ष के सामने ही कांग्रेस के लोग जिस तरह आपस में गुत्थम-गुत्था हुए, वह कांग्रेस की संगठनात्मक सच्चाई का प्रमाण पत्र है और ऐसे कई प्रमाण पत्र विधानसभा व लोकसभा चुनावों के बाद भी कांग्रेस के लोगों ने कांग्रेस के नेताओं को भेंट किए हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

4 नए केंद्रीय स्कूलों की मंजूरी पर किरण देव ने किया मोदी सरकार का धन्यवाद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा छत्तीसगढ़ के मुंगेली, सूरजपुर, बेमेतरा व जांजगीर-चांपा जिले में 4 नए केंद्रीय स्कूल खोलने की स्वीकृति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय से राज्य के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा व बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। श्री देव ने कहा कि केंद्र सरकार शैक्षणिक विकास की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है और इस दृष्टि से अनेक क्रांतिकारी निर्णय भी लिए गए हैं। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करके एक ओर जहाँ आने वाली पीढ़ी को देश के सांस्कृतिक गौरव का ज्ञान दे रही है, वहीं दूसरी ओर तकनीकी व वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर विश्वस्तरीय शिक्षा से जोड़ रही है। श्री देव ने विश्वास व्यक्त किया कि चार और नये केंद्रीय विद्यालय खुलने के बाद प्रदेश की प्रतिभाओं को निखरने का अवसर सहज सुलभ होगा और आगे चलकर भावी पीढ़ियाँ विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने में महती भूमिका निभाएंगीं।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में दो नये पीजी कोर्स को मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णदेव साय राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और युवाओं के लिए राज्य में ही मेडिकल शिक्षा की सुविधा को लेकर काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने स्व. श्री लखीराम मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के 02 नये कोर्स प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग हेतु 04 सीट एवं चर्मरोग विभाग हेतु 04 सीट की मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य शासन के द्वारा नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दिए जाने पर सीटों में वृद्धि से मेडिकल के छात्रों को लाभ मिलेगा। राज्य में ही पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावना बढ़ने से छात्रों को राज्य में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की तरफ से स्व. लखीराम अग्रवाल मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के 02 नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मंजूरी दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस आशय का इशेंसियेलिटी सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। नए कोर्स में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के लिए 04 सीट एवं चर्म एवं रजित रोग विभाग के लिए 04 सीट पीजी हेतु अनुमति प्रदान की गई है। गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व भी जनरल सर्जरी के 07, एमडी पीडियाट्रिक्स से 04 और जनरल मेडिसीन के 05 की अनुमति प्रदान की गई थी।

स्कूटी सवार छात्रों को अज्ञात हाइवा ने मारी टक्कर, एक की मौत

बालोद। जिले के सनौद थाना क्षेत्र में एक अज्ञात

हाइवा ने अरमरीकला स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ने वाले दो छात्रों को चपेट में ले लिया। इस हादसे में 10वीं कक्षा के एक छात्र की मौके पर मौत हो गई, वहीं उसके साथ पीछे बैठा 8वीं का छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र को घटना के बाद 108 एंबुलेंस की मदद से धमतरी के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्र की पहचान 16 वर्षीय उज्ज्वल कुमार साहू (कक्षा 10वीं) के रूप में हुई है, जो सनौद गांव का रहने वाला था। वहीं, घायल छात्र खेमेन्द्र कतलाम (कक्षा 8वीं) है, जो बोहारा गांव का निवासी है। यह हादसा काली मंदिर के पास हुआ, जब स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों छात्र स्कूटी से घर लौट रहे थे। बता दें कि इस दर्दनाक हादसे के बाद दोनों छात्रों के घरों में शोक का माहौल है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

टामन सोनवानी और एसके गोयल की न्यायिक रिमांड बढ़ी

रायपुर। सीजीपीएससी 23 परीक्षा गड़बड़ी मामले में गिरफ्तार पूर्व चेयरमेन टामन सिंह सोनवानी और कारोबारी एसके गोयल की न्यायिक रिमांड बढ़ा दी गई है। अब दोनों को 20 दिसबंर तक जेल में रहना होगा । आज न्यायिक रिमांड की पहली अवधि आज पूरा होने पर दोनों को सीबीआई की विशेष कोर्ट पेश किया गया। जहां से न्यायिक रिमांड बढ़ा दी गई। इस बीच सीबीआई ने इनसे हुई पूछताछ के बाद पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक के राजनांदगांव स्थित घर में दबिश दी थी। आरती के यहां पहले भी सितंबर में छापे और पूछताछ कर चुकी है। बता दें कि सीजीपीएससी 2019 से 2022 तक की भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है। ईओडब्ल्यू और अर्जुंदा पुलिस ने भ्रष्टाचार-अनियमितता के आरोप में केस दर्ज किया है। पीएससी ने 2020 में 175 पदों पर और 2021 में 171 पदों पर परीक्षा ली थी। इन्हीं भर्तियों को लेकर ज्यादा विवाद है। आरोप है कि तत्कालीन चेयरमैन सोनवानी ने अपने रिश्तेदारों समेत कांग्रेसी नेता और ब्यूरोक्रेट्स के बच्चों की नौकरी लगवाई है।

गैती गैंग ने 2 दर्जन से अधिक चोरी की वारदातों को दिया था अंजाम

रायपुर। पुलिस ने राजधानी रायपुर की आवासीय कॉलोनियों के सुनसान मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंती गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 3 शातिर चोरों समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह थाना मुजगहन, विधानसभा, तिल्दा नेवरा एवं मंदिर हसौद के सुनसान मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। इस दौरान सेंध लगाने के लिए ये चोर गैंती और पेचकस का इस्तेमाल करते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने पूर्व में 316 ग्राम सोना, 2 किलो 900 ग्राम चांदी के जेवरात, नगदी, दोपहिया वाहन और अन्य चोरी के सामान बरामद किया था, वहीं अब 243 ग्राम सोना और 2 किलो 523 ग्राम चांदी बरामद किया गया है। बता दें कि राजधानी रायपुर के ग्रामीण क्षेत्र से प्राप्त हो रही आवासीय कॉलोनियों के सुने मकानों में चोरी की घटनाओं की शिकायतों को पुलिस महानिरीक्षक रायपुर क्षेत्र अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. संतोष सिंह द्वारा गम्भीरता से लेते हुए चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए निर्देशित किया था। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की 30 सदस्यीय टीम का विशेष टीम का गठन किया गया। मामले में पुलिस में मुखबिर लगाए साथ ही रात्रि में गश्त करने के साथ-साथ सभी घटनास्थलों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

भ्रम फैलाने के लिए ही कांग्रेस के लोग समितियों के धान खरीदी केंद्रों में घूम रहे हैं : शर्मा

कांग्रेस के लोग बँटे हैं, बिखरे हैं और नाराज हैं : शिवरतन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कांग्रेस की हुई समीक्षा बैठक के मद्देनजर कहा है कि कांग्रेस समीक्षा करके कोई सबक नहीं लेती, इसीलिए लगातार उसकी दुर्गति हो रही है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में हार के बाद हार की समीक्षा के लिए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली के नेतृत्व में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई थी। लेकिन नतीजा सिफर ही रहा।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने शनिवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में कहा कि मोइली कमेटी छत्तीसगढ़ पहुंची तब कार्यकर्ताओं ने बड़े नेताओं की जिद और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की बात की थी। आज उस कमेटी की रिपोर्ट कहां है और उस पर क्या कार्रवाई हुई? अब रायपुर दक्षिण के चुनाव में कांग्रेस की बड़ी हार के लिए भी क्या कांग्रेस कोई कमेटी बनाएगी? श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के लोग बँटे हैं, बिखरे हैं और नाराज हैं। और यह बात स्वयं कांग्रेस नेता पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने भी कही है कि भाजपा एक कैडर आधारित पार्टी है और जिस प्रकार से वह कार्य करती है, उस तक पहुंचने में हमें 25 साल लगेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस कितना भी ईवीएम पर आरोप लगा ले। पिछले समय उन्होंने धांधली करके अप्रत्यक्ष

चुनाव से जरूर विजय प्राप्त की थी परंतु इस बार प्रत्यक्ष चुनाव होने से नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में जनता पुनः भाजपा पर भरोसा जताएगी। और भाजपा विधानसभा लोकसभा चुनाव के बाद जीत का चौका लगाएगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि अपनी लगातार हार से बौखलाई कांग्रेस हर मुद्दे पर मुँह की खाने के बाद अब धान खरीदी पर झूठ फैलाने में लगी है। श्री शर्मा ने धान खरीदी को लेकर कांग्रेस द्वारा आंदोलन करने की घोषणा को कांग्रेस की बौखलाहट का परिचायक बताते हुए कहा कि धान खरीदी को लेकर कांग्रेस के नेता जिस तरह अनर्गल प्रलाप करके धान खरीदी की समूची प्रक्रिया के सुव्यवस्थित संचालन को लेकर प्रदेश को गुमराह करने में लगे हैं, वह कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र ही है। कांग्रेस का यह झूठ कभी परवान नहीं चढ़ पाएगा। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के तीन-तीन पूर्व मंत्री टोकन नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं। यह कांग्रेस का एक और नया झूठ है। हम यह आँकड़ा पेश कर सकते हैं कि धान खरीदी से कितने कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री लाभान्वित हुए हैं, किन-किन कांग्रेस नेताओं ने कितना-कितना धान बेचा है और उसका कितना भुगतान उनके खातों में जमा हुआ है? श्री शर्मा ने कहा कि यह बेहद आश्चर्य की बात है कि कांग्रेस सरकार के अनेक पूर्व मंत्री तक यह स्वीकार कर रहे हैं कि पहले कुछ दिक्कत थी अब दिक्कत नहीं है।

बीजापुर में 20 साल बाद खोले गए बंद स्कूल

स्कॉच अवार्ड से सम्मानित

बीजपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुरपुर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में की गई को अब राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। स्कूल फिर चले अभियान (स्कूल वेंडे वर्राट पंडुम) को स्कॉच अवार्ड में सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। बीजापुर के तत्कालीन कलेक्टर अनुराग पांडेय के नेतृत्व में इसके लिए जिला प्रशासन और समुदाय के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित किया और इसे सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। परिणामस्वरूप, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 20 वर्षों से बंद पड़े 28 स्कूलों को फिर से खोलने में सफलता प्राप्त की। इस अभियान के अंतर्गत, जिले के 550 गांवों में घर-घर जाकर सर्वे किया गया और 6 से 18 वर्ष के लगभग 7,000 बच्चों की पहचान की गई। इनमें से 4,000 बच्चों को शाला त्यागी और अप्रवेशी के रूप में पहचाना गया, जिनका पुनः प्रवेश सुनिश्चित किया गया। विशेष रूप से, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए प्रयासों ने सफलता पाई, और अब इन क्षेत्रों के बच्चों को 20 साल बाद शिक्षा का अधिकार मिल रहा है। ग्रामीणों में शिक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर बढ़ा है। पहले जहां शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता की कमी थी, वहीं अब ग्रामीण शिक्षा के महत्व को समझने लगे हैं और वे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इसके साथ ही, शिक्षा के फायदे और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उन्हें दी गई है, जिससे उन्हें अपनी स्थिति सुधारने का अवसर मिला है। अब बीजपुर में 24 ऐसे स्कूल खोले गए, जो पिछले 20 वर्षों से बंद थे। इसके अलावा, 30 से ज्यादा नए स्कूलों की शुरुआत भी की कई है। यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति लाएगा और बच्चों के लिए नए अवसर उत्पन्न करेगा। स्कूल फिर चले अभियान ने बीजापुर जिले में शिक्षा के लिए एक नई दिशा और उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाए हैं। यह अभियान केवल बच्चों को शिक्षा का अधिकार ही नहीं दे रहा, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला रहा है। तत्कालीन कलेक्टर अनुराग पांडेय ने इस अभियान की सफलता का मुख्यमंत्री का कुशल मार्गदर्शन, जिले के जनप्रतिनिधियो का सकारात्मक सहयोग, अभियान से जुड़े शिक्षकों, पंचायत और पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों की मेहनत को दिया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.